website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 365 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 11 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

राहुल गांधी पर कंगना रनौत का विवादित बयान

-संसद परिसर में बोलीं— 'चरित्र में ताकत नहीं, कहने को कुछ नहीं'

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच राहुल गांधी के विदेश दौरे को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना रनौत ने तीखी टिप्पणी की, जिस पर सियासी हलकों में बहस तेज हो गई है। दरअसल, राहुल गांधी 15 दिसंबर से जर्मनी के दौरे पर जाने वाले हैं। इसी को लेकर न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कंगना रनौत ने कहा कि वह राहुल गांधी के दौरों की कोई खबर नहीं रखतीं और न ही उनके बारे में कोई समाचार पढ़ती हैं। कंगना ने कहा, "उनकी खबरें हमेशा बेकार ही होती हैं।"

'उनके चरित्र में कोई ताकत नहीं'— कंगना रनौत

कंगना रनौत ने आगे कहा कि यह सबके सामने है कि कांग्रेस पार्टी सिंगल डिजिट पर क्यों सिमट गई। उन्होंने कहा, "इस तरह के किरदार और चरित्र पर मैं टिप्पणी नहीं करना चाहती, क्योंकि उनके चरित्र में कोई ताकत नहीं है। इसलिए मेरे पास उनके बारे में कहने के लिए कुछ नहीं है।" कंगना का यह बयान अब सियासी विवाद का कारण बन गया है।

जर्मनी क्यों जा रहे हैं राहुल गांधी

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी है कि राहुल गांधी जर्मनी की यात्रा पर जा रहे हैं। इस दौरान वह भारत की वैश्विक भूमिका पर बातचीत करेंगे और जर्मनी के सांसदों से मुलाकात भी करेंगे। इसके अलावा राहुल गांधी जर्मनी में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद करेंगे। इस दौरे की पुष्टि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस यूके के महासचिव विक्रम दुहान ने की है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का यह दौरा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर संवाद बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कंगना रनौत के बयान और राहुल गांधी के विदेशी दौरे को लेकर अब राजनीतिक बयानबाज़ी तेज होती दिख रही है।

जापान के खिलाफ चीन को मिला रूस का साथ, इंडो-पैसिफिक में तनाव चरम पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईस्ट चाइना सी में चीन और जापान के बीच चल रहे गंभीर तनाव के बीच रूस की एंट्री से हालात और ज्यादा संवेदनशील हो गए हैं। चीन के समर्थन में रूस ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपने रणनीतिक बॉम्बर और लड़ाकू विमान उतारकर जापान को सख्त संदेश दिया है। रूस के इस कदम को जापान और दक्षिण कोरिया ने गंभीर चिंता का विषय बताया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चीन और रूस की वायु सेनाओं ने एशिया-पैसिफिक यानी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संयुक्त एयर पेट्रोलिंग की। इस दौरान रूस के टीयू-95 स्ट्रैटेजिक मिसाइल कैरियर बॉम्बर ने चीन के एच-6 बॉम्बर्स के साथ ईस्ट चाइना सी, जापानी सागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर के ऊपर गश्त की। इन बॉम्बर्स की सुरक्षा के लिए रूस के सु-30 और सु-35 तथा चीन के जे-16 फाइटर जेट्स तैनात रहे। रूस ने स्पष्ट किया है कि यह साझा एयर पेट्रोलिंग अंतरराष्ट्रीय कानूनों के दायरे में की गई, लेकिन जापान और दक्षिण कोरिया ने इस पर कड़ा विरोध जताया है। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने कहा कि चीन और रूस मिलकर जापान के खिलाफ सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बेहद चिंताजनक है। मंगलवार (9 दिसंबर, 2025) को चीन ने दावा किया कि उसने जापानी विमानों को चेतावनी दी और इसका एक कॉल ऑडियो भी जारी किया। वहीं जापान ने कहा कि चीनी सैन्य अधिकारियों ने हॉटलाइन पर कोई जवाब नहीं दिया। इस घटना को लेकर दोनों देश एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। दरअसल, जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने ईस्ट चाइना सी में अपने रक्षा क्षेत्र को और मजबूत करने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि ताइवान पर

चीन के किसी हमले की स्थिति में जापान मदद करेगा। इससे चीन नाराज़ है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन-जापान के बीच वर्चस्व की लड़ाई खुलकर सामने आ गई है। चीन-रूस की साझा एयर पेट्रोलिंग पर दक्षिण कोरिया ने भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। साउथ कोरिया की सेना के मुताबिक, उसके एयरस्पेस में चीन और तीसरे देश के लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। साउथ कोरिया ने बताया कि सात रूसी और दो चीनी सैन्य विमान कोरिया एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (KADIG) में दाखिल हुए। इसके बाद दक्षिण कोरिया ने अपने लड़ाकू विमान भेजे। करीब एक घंटे तक ये विमान क्षेत्र में आते-जाते रहे और फिर बाहर चले गए। बीते सप्ताह चीन ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग को पहली बार ट्रेनिंग मिशन पर ईस्ट चाइना सी में तैनात किया था। इस दौरान विमानवाहक पोत से जे-15 फाइटर जेट्स ने उड़ान भरी थीं। ईस्ट चाइना सी पर जापान भी दावा करता रहा है और उसने चीनी विमानों पर एयरस्पेस उल्लंघन का आरोप लगाया था। जवाब में जापान ने अमेरिकी एफ-15 फाइटर जेट्स को स्क्रैम्बल किया था। इस दौरान चीन और जापान दोनों ने एक-दूसरे के फाइटर जेट्स पर रडार जाम करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

अमेरिका में ट्रंप को नहीं मिल रहा आम जनता का साथ ! बढ़ती महंगाई को लेकर लोगों में असंतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से टैरिफ को लेकर दिए हालिया बयानों से हलचल मचा दी है। पूरी दुनिया में टैरिफ का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब अपने ही देश में बढ़ती महंगाई को लेकर घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति घरेलू चुनाव को देखते हुए आम जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में लग गए हैं। ट्रंप भले ही टैरिफ के जरिए दूसरे देशों पर दबाव बनाने की कोशिशों में किसी हद तक कामयाब रहे हों, लेकिन अमेरिकी जमीन पर जनता में उनके फैसलों को लेकर असंतोष साफ जाहिर है। कल मंगलवार को पेंसिलवेनिया के एक कसीनो रिजॉर्ट में ट्रंप एक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक बार फिर से अपने पुराने दावों को दोहराते नजर आए। रैली में मौजूद लोग उम्मीद कर रहे थे कि ट्रंप बढ़ती महंगाई से राहत के लिए कोई खास ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने पेट्रोल की कम कीमतों, रिकॉर्ड निवेश और नौकरियां बढ़ाने के अपने पुराने दावों को ही दोहराया। इस दौरान उन्होंने

डेमोक्रेट्स और पूर्व की बाइडेन सरकार पर तंज कसा। इसके साथ ही ट्रंप ने ट्रांसजेंडर स्पोर्ट्स, अप्रवास और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे मुद्दों पर फिर से बयानबाजी करते नजर आए। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए शांति लाना उनका लक्ष्य है, और दावा किया कि टैरिफ को लेकर उनके फैसले सफल रहे। अप्रवासी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बाइडेन के नेतृत्व में कई खतरनाक अवैध प्रवासी देश में आ गए। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू मुद्दों की अनदेखी को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी चिंता बढ़ गई है। पार्टी सांसद टोनी गोंजालेस ने चेतावनी दी कि अगर रिपब्लिकन आर्थिक मुद्दों पर ध्यान नहीं देंगे, तो यह उनके लिए नुकसानदेह साबित होगा। हालांकि, जनता के मुद्दों से जुड़ने के लिए ट्रंप ने बढ़ती महंगाई को लेकर ज्यादा कुछ तो नहीं कहा, लेकिन बिना किसी नीति के 'अमेरिका को फिर से किफायती बनाने' का नारा दिया। बता दें, डेमोक्रेट्स हाल के चुनावों में महंगाई और घरों की कीमतों को मुख्य मुद्दा बनाकर आगे बढ़ रहे हैं। कुछ हालिया सर्वे में ट्रंप के लिए मुश्किलें नजर आ रही हैं। कई सर्वे में उनकी अप्रूवल रेटिंग 44 फीसदी पर ही सिमट कर रह गई। अधिकतर लोग ट्रंप के फैसलों से नाखुश नजर आ रहे हैं; उनकी नजर में अमेरिका गलत दिशा में जा रहा है। वहीं ट्रंप जनता को लुभाने की तमाम कोशिशें कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2,000 डॉलर के "टैरिफ डिविडेंड चेक" और नवजात बच्चों के लिए "ट्रंप अकाउंट" का वादा किया है। इसके अलावा, किसानों को टैरिफ वॉर के नुकसान की भरपाई के लिए 12 अरब डॉलर देने की घोषणा की है। अमेरिका में अब भी महंगाई 3 फीसदी के आसपास है। हालांकि, ट्रंप सरकार इसे तेज गिरावट नहीं मान रही है। ट्रंप इसे बाइडेन के दौर की 19 फीसदी महंगाई का प्रभाव बता रहे हैं।

इंडिगो संकट गहराया:

8 दिन में करीब 5 हजार फ्लाइट्स रद्द, दिल्ली की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो एयरलाइंस की लगातार हो रही फ्लाइट कैंसिलेशन ने देश की राजधानी दिल्ली की अर्थव्यवस्था को झटका दिया है। व्यापार, उद्योग और पर्यटन से जुड़े सेक्टरों में नुकसान का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दस दिनों में न सिर्फ हवाई यात्रा प्रभावित हुई है, बल्कि बाजारों की रौनक भी फीकी पड़ी है। प्रदर्शनियों से लेकर पर्यटन गतिविधियों तक इसका असर साफ दिखाई दे रहा है।

रोजाना रद्द हो रहीं उड़ानें, यात्रियों में बढ़ी बेचैनी

1 दिसंबर से अब तक इंडिगो की 4 हजार से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। इससे दिल्ली एयरपोर्ट से सफर करने वाले हजारों यात्रियों की योजनाएं बिगड़ गई हैं। सामान्य दिनों में दिल्ली एयरपोर्ट से प्रतिदिन करीब डेढ़ लाख यात्री सफर करते हैं, लेकिन मौजूदा हालात में यात्रियों की संख्या में अचानक गिरावट देखी गई है। विशेष रूप से कारोबारी यात्रियों की कमी से शहर के बिजनेस माहौल पर गहरा असर पड़ा है।

बाजारों में घटा फुटफॉल, व्यापारियों की बढ़ी चिंता

CTI चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि रोजाना करीब 50 हजार व्यापारी और कारोबारी दिल्ली आते हैं, लेकिन फ्लाइट कैंसिलेशन के कारण यह संख्या तेजी से कम हुई है। दिल्ली के प्रमुख बाजारों में बीते दस दिनों के दौरान फुटफॉल

लगभग 25 प्रतिशत तक घट गया है। इसका सीधा असर बिक्री और समूचे व्यापारिक माहौल पर दिखाई दे रहा है।

प्रदर्शनियों में कम दिख रही भीड़

दिल्ली के प्रगति मैदान और आनंद मंडपम जैसे बड़े आयोजन स्थलों पर ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, हैंडलूम और होम फर्निशिंग से जुड़ी कई प्रदर्शनियां आयोजित हो रही हैं। आयोजकों को उम्मीद थी कि देश भर से बड़ी संख्या में व्यापारी और पर्यटक पहुंचेंगे, लेकिन इंडिगो की उड़ानों में आई दिक्कतों ने यात्राओं को प्रभावित कर दिया। हजारों प्रतिभागी समय पर नहीं पहुंच सके, जिससे आयोजकों और कारोबारियों दोनों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

पर्यटन सीजन पर भी पड़ा असर

क्रिसमस से न्यू ईयर तक का समय दिल्ली में पर्यटन के लिहाज से सबसे व्यस्त माना जाता है। ट्रैवल एजेंसियों के अनुसार, इसी दौर में सबसे ज्यादा बुकिंग होती है। मनोज ट्रेवल्स के डायरेक्टर मनोज खंडेलवाल ने बताया कि फ्लाइट कैंसिलेशन का सीधा असर छुट्टियों की योजनाओं, होटल बुकिंग और टूर पैकेजों पर पड़ा है। कई पर्यटक अपनी यात्राएं रद्द कर रहे हैं या उन्हें आगे टाल रहे हैं।

उद्योग और पर्यटन सेक्टर को 1000 करोड़ तक के नुकसान का अनुमान

CTI का अनुमान है कि फ्लाइट रद्द होने से उद्योग, पर्यटन, होटल, रेस्टोरेंट और इवेंट सेक्टर को मिलाकर लगभग 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हुआ है। हालात ऐसे हैं कि कई डेस्टिनेशन वेडिंग्स में मेहमान समय पर नहीं पहुंच सके। कुछ मामलों में तो दूल्हा-दुल्हन के परिवार भी समय से नहीं पहुंच पाए। होटल, बैंक्वेट हॉल और रिसॉर्ट्स की बुकिंग्स में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है।

DGCA के आंकड़े भी चिंता बढ़ाने वाले

DGCA के मुताबिक, नवंबर में निर्धारित 64,346 उड़ानों में से केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित हो सकीं। यानी करीब 4,900 उड़ानें रद्द रहीं। लगातार बढ़ते इस संकट ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि इंडिगो की यह समस्या कब खत्म होगी और हवाई यातायात कब सामान्य हो पाएगा।

तीन दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे इटली के डिप्टी पीएम तजानी, एस जयशंकर से होगी मुलाकात

नई दिल्ली। इटली के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे हैं। तजानी इस साल दूसरी बार भारत दौरे पर पहुंचे हैं। इसका उद्देश्य भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना है। इटली के डिप्टी पीएम के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "दिल्ली और मुंबई में उनके कार्यक्रम भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे।" तीन दिवसीय इस दौरे पर डिप्टी पीएम तजानी आज बुधवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी मीडिया एडवाइजरी के मुताबिक, वह गुरुवार को मुंबई जाएंगे और आधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। तीन दिवसीय भारत दौरे पर अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को खत्म करने के बाद वह शुक्रवार को मुंबई से रवाना होंगे। इससे पहले तजानी ने अप्रैल में भारत का दौरा किया था। इस दौरान तजानी और जयशंकर ने संयुक्त रणनीतिक एक्शन प्लान (जेएसएपी) 2025-29 के तहत दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की थी। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान और तकनीक, क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच संबंध जैसे क्षेत्रों को लेकर चर्चा की थी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने लगातार उच्च स्तरीय बातचीत और लेन-देन पर खुशी जताई, और एआई, साइबर, टेलीकॉम, डिजिटल तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैव ईंधन, शिक्षा और अकादमी सहयोग, वैज्ञानिक शोध और युवाओं और पेशेवरों की मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भारत और इटली के बीच सहयोग की बहुत बड़ी संभावना पर ध्यान दिया। दोनों देशों के मंत्रियों ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने और जेएसएपी से ठोस नतीजे सुनिश्चित करने का अपना वादा दोहराया।

स्वास्थ्य मंत्रालय और WHO ने दिल्ली मेट्रो पर शुरू किया महिला स्वास्थ्य अभियान

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के साथ मिलकर बुधवार को दिल्ली मेट्रो पर एक महीने तक चलने वाले अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना है। सुल्तानपुर मेट्रो स्टेशन से शुरू हुआ यह अभियान दिसंबर और जनवरी के महीनों में चलेगा। मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इसके तहत मेट्रो ट्रेनों और चुने हुए स्टेशनों पर महिलाओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, डिजिटल समावेशन, प्रसव पूर्व निदान तकनीक (PCPNDT) अधिनियम और टीबी (तपेदिक) जागरूकता से संबंधित संदेश प्रसारित किए जाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने आईएएनएस को बताया, "डब्ल्यूएचओ के सहयोग से, हमने दिल्ली के लोगों तक महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने के लिए यह दिल्ली मेट्रो अभियान शुरू किया है। एक मुख्य संदेश यह है: 'अगर स्वस्थ नारी है, तो सशक्त परिवार है, सशक्त राष्ट्र है।'" उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान का एक मुख्य लक्ष्य PCPNDT अधिनियम का पालन सुनिश्चित करना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। इसका उद्देश्य लोगों से आग्रह करना है कि वे गर्भ में लिंग-निर्धारण के लिए टेस्ट न कराएं। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि आधुनिक टेक्नोलॉजी का कभी-कभी अजन्मे बच्चे का लिंग पता करने के लिए गलत इस्तेमाल किया जाता है। यह अधिनियम देश में घटते लिंग अनुपात को ठीक करने और भ्रूण हत्या को रोकने के लिए बनाया गया है।

UP में शिक्षामित्रों के लिए खुशखबरी:

गृह जिले में तैनाती का मिलेगा मौका, 30 हजार विवाहित महिलाओं को बड़ी राहत

यूपी। उत्तर प्रदेश के शिक्षामित्रों के लिए योगी सरकार ने बड़ी राहत का फैसला लिया है। लंबे समय से लंबित स्थानांतरण और समायोजन की मांग को स्वीकार करते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। सभी जिलों में शिक्षामित्रों से विकल्प लेकर उनकी नई तैनाती तय की जाएगी। शासन की ओर से इस प्रक्रिया को तत्काल लागू करने के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे खासकर हजारों महिला शिक्षामित्रों को सीधा लाभ मिलेगा।

विकल्प देने का मिलेगा मौका

पहले चरण में प्रत्येक शिक्षामित्र से सरल प्रारूप में यह पूछा जाएगा कि वे वर्तमान विद्यालय में ही काम करना चाहते हैं या अपने मूल तैनाती विद्यालय में लौटना चाहते हैं। विवाहित महिला शिक्षामित्रों को विशेष राहत देते हुए उन्हें पति के जिले में तैनाती का विकल्प दिया जाएगा। जो शिक्षामित्र मौजूदा विद्यालय में बने रहना चाहेंगे, उनके मामलों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

पुरुष और अविवाहित महिला शिक्षामित्रों के लिए भी व्यवस्था

पुरुष और अविवाहित महिला शिक्षामित्र यदि अपने मूल विद्यालय में लौटना चाहते हैं और वहां रिक्ति उपलब्ध नहीं है, तो उन्हें नजदीकी रिक्त विद्यालय में समायोजित किया जाएगा। इससे किसी भी शिक्षामित्र को तैनाती से वंचित नहीं रहना पड़ेगा।

जिला स्तर पर होगी पूरी प्रक्रिया

शासन ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को निर्देश दिए हैं कि पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए। विवाहित महिला शिक्षामित्रों को विवाह प्रमाणपत्र, आधार कार्ड या पैन कार्ड जैसे दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। शासनादेश के अनुसार प्रथम चरण की पूरी प्रक्रिया जिला स्तरीय समिति द्वारा कराई जाएगी और फिलहाल किसी ऑनलाइन पोर्टल की आवश्यकता नहीं होगी। जिन मामलों का निस्तारण पहले चरण में नहीं हो सकेगा, उनके लिए दूसरे चरण में प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

प्रदेश में डेढ़ लाख शिक्षामित्र तैनात

फिलहाल उत्तर प्रदेश में लगभग डेढ़ लाख शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इसमें से करीब 30 हजार महिला शिक्षामित्रों को इस फैसले से अपने गृह जिले या पति के जिले में तैनाती का रास्ता खुल जाएगा।

शिक्षामित्र संगठनों ने जताया आभार

शिक्षामित्र संगठनों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। संगठनों का कहना है कि इसके लिए लंबे समय तक आंदोलन चला और अब जाकर मांग पूरी हुई है। माना जा रहा है कि इस निर्णय से शिक्षामित्रों का मनोबल बढ़ेगा और बेसिक स्कूलों में पठन-पाठन व्यवस्था और ज्यादा मजबूत होगी।

गोवा क्लब हादसा:

लूथरा ब्रदर्स ने मांगी 4 हफ्ते की अग्रिम जमानत, रोहिणी कोर्ट ने गोवा पुलिस से जवाब तलब किया

नई दिल्ली । गोवा के एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत के मामले में आरोपी लूथरा ब्रदर्स ने दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। लूथरा ब्रदर्स की ओर से चार हफ्ते की अग्रिम जमानत मांगी गई है। कोर्ट ने इस याचिका पर गोवा पुलिस से जवाब मांगा है। मामले में अब 11 दिसंबर (गुरुवार) को सुनवाई होगी।

देश लौटकर कानूनी लड़ाई लड़ना चाहते हैं— लूथरा ब्रदर्स

लूथरा ब्रदर्स की तरफ से कोर्ट में दलील दी गई कि वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि भारत लौट सकें और गोवा की अदालत में पेश होकर कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकें। उनके वकील ने कहा कि यह सच है कि इस हादसे में लोगों की मौत हुई है, लेकिन आरोपी खुद कानून का सामना करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, "हम चार हफ्ते की अग्रिम जमानत चाहते हैं ताकि भारत लौटकर अदालत का दरवाजा खटखटा सकें। यह समझ से परे है कि राज्य की ओर से इसका विरोध किया जाए, जबकि हम खुद कानूनी प्रक्रिया में शामिल होना चाहते हैं।"

'मैं बार का मालिक नहीं, सिर्फ लाइसेंसी हूं'

लूथरा ब्रदर्स ने यह भी दावा किया कि वे नाइट क्लब के मालिक नहीं हैं। अपने बचाव में उन्होंने कहा, "मैं सिर्फ लाइसेंसी हूं। असली मालिक कोई और है। बिना मालिक की अनुमति के मैं मरम्मत तक नहीं कर सकता। बार मालिक की संपत्ति है, जिसे मैं लीज पर चला रहा था।"

फुकेत भागने का आरोप, LOC जारी

इससे पहले गोवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज करने के बाद खुफिया ब्यूरो से लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी करने का अनुरोध किया था। मुंबई इमिग्रेशन ब्यूरो से मिली जानकारी में सामने आया कि आरोपी आग की घटना के तुरंत बाद 7 दिसंबर को सुबह 5:30 बजे इंडिगो की फ्लाइट 6E-1073 से फुकेत (थाईलैंड) रवाना हो गए थे।

हादसे में गईं 25 जानें

यह दर्दनाक हादसा गोवा की राजधानी पणजी से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात हुआ था। भीषण आग की चपेट में आकर 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 20 कर्मचारी और 5 पर्यटक शामिल थे। मृतकों में चार दिल्ली के रहने वाले बताए गए हैं। हादसे में घायल पांच लोगों का इलाज फिलहाल गोवा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (GMCH) में जारी है। गोवा क्लब हादसे में अब लूथरा ब्रदर्स की अग्रिम जमानत याचिका और पुलिस की जांच पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

विदेशी पर्यटन और उड्डयन संकट: भारत की वैश्विक छवि दांव पर

इंडिगो संकट में हवाई यात्रियों का कष्ट अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। घटना के एक सप्ताह बाद भी उड़ानों का संचालन सामान्य नहीं हो सका है। सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कई एयरलाइंस यात्रियों से मनमाना और अत्यधिक किराया वसूल रही हैं। हैरानी की बात यह है कि जिस एयरलाइन की लापरवाही से संकट उत्पन्न हुआ, वही प्रमुख रूट्स पर सबसे ज्यादा किराया वसूल रही है। यह स्थिति न केवल यात्रियों की मजबूरी का फायदा उठाने का उदाहरण है, बल्कि पूरे नागरिक उड्डयन तंत्र की संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। उधर, गोवा के एक नाइट क्लब में हुई भीषण आग और उसके बाद की घटनाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के मुख्य आरोपी देश छोड़कर फरार हो गए हैं। यह घटना बताती है कि किस तरह तमाम सुरक्षा और कानूनी मानकों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने वाले संस्थान स्थानीय सिस्टम पर भारी पड़ जाते हैं। जब जांच और कार्रवाई की बारी आती है, तब तक जिम्मेदार लोग कानून की पहुंच से बाहर निकल चुके होते हैं। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है। इंडिगो संकट और गोवा अग्निकांड—दोनों घटनाओं ने मिलकर भारत की वैश्विक छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इनसे न सिर्फ देश के नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है, बल्कि दुनिया भर में भारत के बारे में एक नकारात्मक संदेश गया है। पर्यटन जैसे संवेदनशील क्षेत्र पर इसका सीधा असर पड़ना तय है। गौरतलब है कि भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिहाज से चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। इसके बावजूद विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनोमिक फोरम) की रिपोर्ट के अनुसार पर्यटन प्रतिस्पर्धा में भारत 119 देशों में 39वें स्थान पर है। वैश्विक पर्यटन से होने वाली कुल आय में भारत की हिस्सेदारी महज दो प्रतिशत है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्यटन है। पहाड़, समुद्र तट, ऐतिहासिक धरोहरें, धार्मिक स्थल और विविध संस्कृति विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती है। लेकिन इन स्थलों तक पहुंचने के लिए विदेशी पर्यटक बड़े पैमाने पर घरेलू हवाई सेवाओं पर निर्भर रहते हैं। जब उड़ानें रद्द होती हैं, किराया बेहिसाब बढ़ाया जाता है और अव्यवस्था फैली रहती है, तो अनुभव कड़वा होना स्वाभाविक है। गोवा जैसी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पहचान रखने वाली जगह पर आगजनी की घटना और दोषियों का फरार होना विदेशी पर्यटकों के मन में सुरक्षा को लेकर गहरा संदेह पैदा करता है। हर साल करीब दो करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आते हैं। जो पर्यटक इन हालातों के शिकार हुए, वे अपने देश लौटकर भारत के बारे में क्या कहेंगे—यह सवाल बेहद गंभीर है। पर्यटन सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सॉफ्ट पावर और आर्थिक विकास का मजबूत जरिया है। नागरिक उड्डयन आज भारत की उभरती अर्थव्यवस्था का कोर सेक्टर बन चुका है। ऐसे में जरूरी है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पाकिस्तान में लोकतंत्र की आड़ में फौजी वर्चस्व का नया मॉडल, जहां संविधान और संसद भी वर्दीधारी ताकत के सामने नतमस्तक

-आसिम मुनीर का उत्थान बताता है कि पाकिस्तान में सत्ता आज भी बंदूक की कृपा पर टिकी

बीसवीं सदी से लेकर आज तक दुनिया ने कई तरह की वर्दीधारी तानाशाहियां देखी हैं। कहीं सेना ने सीधे तख़्तापलट किया, कहीं राष्ट्रपति या राजा को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ली, और कहीं चुनावों के बाद सत्ता पर असली क़ाबिज़ वही बने रहे जिन्होंने बंदूक की ताक़त संभाली थी। लेकिन अगर किसी मुल्क ने फौजी हुकूमत के सबसे ज़्यादा नए-नए और हैरतअंगेज़ रूप पेश किए हैं, तो वह पाकिस्तान है। पाकिस्तान में फौज सिर्फ़ सत्ता पर क़ाबिज़ नहीं होती, बल्कि वह हर दौर में अपने लिए नए रास्ते, नई शक्लें और नई क़ानूनी दलीलें भी गढ़ती रही है। ताज़ा मामला जनरल आसिम मुनीर का है, जिसे देखकर लगता है कि पाकिस्तान की फौजी तानाशाही अब सीधे मार्शल लॉ लगाने के बजाय संविधान, संसद और निर्वाचित सरकार की मुहर का इस्तेमाल कर रही है। यह बदलाव दिखने में लोकतांत्रिक लगता है, लेकिन आत्मा में वही पुराना सैन्य वर्चस्व है।

पाकिस्तान में अधूरा लोकतंत्र

पिछले लगभग 75 वर्षों में पाकिस्तान में 29 प्रधानमंत्री बने, लेकिन कोई भी प्रधानमंत्री अपना पाँच साल का संवैधानिक कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया। यह अपने आप में इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि पाकिस्तान में असली सत्ता कहाँ रही है। कभी राष्ट्रपति के ज़रिये, कभी सेना प्रमुख के ज़रिये और कभी न्यायपालिका के सहारे, फौज ने हर प्रधानमंत्री को यह याद दिलाया कि वह सिर्फ़ एक अस्थायी किरदार है। इसके उलट, जनरल आसिम मुनीर ने वह कर दिखाया जो अब तक किसी फौजी जनरल ने इतनी "क़ानूनी" सफ़ाई के साथ नहीं किया था। उन्होंने न सिर्फ़ अपने लिए रास्ता बनाया, बल्कि ऐसा रास्ता बनाया जिसे संसद और संविधान की मंज़ूरी हासिल हो। यही पाकिस्तान की फौजी राजनीति की सबसे खतरनाक और नई शक्ल है।

दो सेनाध्यक्ष, एक मुल्क

आसिम मुनीर के मामले में घटनाएँ शुरू से ही अजीब रहीं। सरकार को इस बात पर राज़ी किया गया कि उन्हें उनकी रिटायरमेंट से ठीक एक दिन पहले सेना प्रमुख नियुक्त कर दिया जाए, जबकि उस समय जनरल कमर जावेद बाजवा पहले से ही अपने पद पर मौजूद थे। नतीजा यह हुआ कि कुछ समय के लिए पाकिस्तान के पास दो-दो सेनाध्यक्ष थे। यह न सिर्फ़ सैन्य अनुशासन के लिहाज़ से असामान्य था, बल्कि पाकिस्तान के इतिहास में भी एक विचित्र मिसाल बन गया। मुनीर का तीन साल का कार्यकाल 28 नवंबर को ख़त्म हुआ, उस दिन वे औपचारिक रूप से रिटायर हो गए, लेकिन अगले एक हफ़्ते तक वे सेना के प्रमुख की तरह ही काम करते रहे। बाद में जब उन्हें आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त करने की अधिसूचना जारी हुई, तो माना गया कि नियुक्ति पिछली तारीख़ से की गई होगी। वरना सवाल उठता है कि बिना किसी आधिकारिक पद के एक हफ़्ते तक वेतन और शक्तियाँ कैसे मिलती रहीं? ऐसा सवाल कोई बेपरवाह ऑडिटर ही उठा सकता है, लेकिन पाकिस्तान में ऐसे सवालों के लिए शायद ही कोई जगह बची हो।

सेना से राजनीति तक

पाकिस्तान की फौज हमेशा यह दावा करती आई है कि उसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं। लेकिन हक़ीक़त यह है कि वहाँ जिस भी सरकार ने फौज की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ चलने की कोशिश की, उसका अंजाम बुरा हुआ। इमरान ख़ान इसका ताज़ा उदाहरण हैं। इमरान ख़ान और उनकी पत्नी को जेल में डाल दिया गया, उनकी पार्टी को 2024 का चुनाव लड़ने नहीं दिया गया, और चुनावी प्रक्रिया पर ऐसे सवाल खड़े हुए जिन्हें दुनिया ने भी अनदेखा नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि शाहबाज़ शरीफ़ प्रधानमंत्री बने — वही नेता जो फौज को सबसे ज़्यादा "मुफ़ीद" लगते थे। इसके बाद का खेल और भी दिलचस्प था। उसी प्रधानमंत्री से आसिम मुनीर ने खुद को प्रमोट करवाया, फील्ड मार्शल का दर्जा हासिल किया, और फिर संविधान में 27वाँ संशोधन करवाकर खुद को जीवन भर के लिए फील्ड मार्शल बना लिया।

संविधान के पीछे छिपी तानाशाही

यह पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान में फौज ने संविधान को अपने हिसाब से ढाला हो, लेकिन यह पहली बार है जब एक फौजी जनरल ने इतने खुले तौर पर संविधान को अपनी निजी सुरक्षा और भविष्य के लिए इस्तेमाल किया। संशोधन के ज़रिये न सिर्फ़ यह तय किया गया कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पाँच साल के कार्यकाल के साथ तीनों सेनाओं का बॉस होगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर दिया गया कि उस पर कोई मुक़दमा नहीं चलाया जा सकेगा। यानी जनरल साहब अब न केवल सत्ता के शीर्ष पर हैं, बल्कि क़ानून से भी ऊपर। यह सब कुछ एक निर्वाचित प्रधानमंत्री, संसद और राष्ट्रपति के दस्तख़त से हुआ। जिन सांसदों ने इस संशोधन को मंज़ूरी दी, वे ऐसे विपक्ष-मुक्त चुनाव के बाद आए थे, जिसकी वैधता पर पहले ही सवाल थे। एक तरह से लोकतंत्र के औज़ारों का इस्तेमाल करके लोकतंत्र को ही कमजोर कर दिया गया।

अपनी ही सियासी मौत पर दस्तख़त

पाकिस्तान के इतिहास में शायद ही कोई मिसाल हो जब निर्वाचित प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने इतने खुले तौर पर अपनी सियासी मौत के दस्तावेज़ पर खुद दस्तख़त किए हों। क्योंकि जब सारी ताक़त एक फौजी जनरल के हाथ में सौंप दी जाए, तो असैनिक सत्ता सिर्फ़ एक दिखावा बनकर रह जाती है। यह स्थिति पाकिस्तान में नई नहीं है। 1958 में असैनिक राष्ट्रपति इस्कंदर मिर्ज़ा ने भी कुछ ऐसा ही किया था। उन्होंने मार्शल लॉ लागू किया और जनरल मुहम्मद अय्यूब ख़ान को 'चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर' बना दिया। लेकिन इतिहास ने देखा कि अय्यूब ख़ान ने मिर्ज़ा को ही बर्खास्त कर दिया और खुद राष्ट्रपति बन बैठे।

फील्ड मार्शल की पुरानी कहानी

जब अय्यूब ख़ान राष्ट्रपति बने, तो उन्होंने सेना प्रमुख के रूप में मुहम्मद मूसा ख़ान को नियुक्त किया। लेकिन जल्द ही एक संवैधानिक और व्यावहारिक सवाल खड़ा हुआ — एक जनरल किसी दूसरे जनरल को कैसे रिपोर्ट करेगा? इस समस्या का हल निकालते हुए अय्यूब ख़ान ने खुद को फील्ड मार्शल बना लिया। यही परंपरा अब नए रूप में सामने आई है। फर्क बस इतना है कि पहले ये फैसले खुले मार्शल लॉ के ज़रिये होते थे, अब इन्हें संसद और संविधान की आड़ में किया जा रहा है।

लोकतंत्र का खोखलापन

पाकिस्तान की फौजी हुकूमत की यह नई शक्ल ज़्यादा ख़तरनाक इसलिए है, क्योंकि यह बाहर से लोकतांत्रिक दिखती है। चुनाव होते हैं, संसद बैठती है, कानून पास होते हैं, लेकिन इन सबके पीछे असली ताक़त एक ही संस्था के हाथ में रहती है। आसिम मुनीर का मामला यह दिखाता है कि पाकिस्तान की फौज ने अब सिर्फ़ सरकारें गिराने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि उसने खुद को स्थायी और सुरक्षित करने का रास्ता चुन लिया है।

नतीजा क्या होगा?

इस पूरे घटनाक्रम का नतीजा यह है कि पाकिस्तान में नागरिक राजनीति और लोकतंत्र और ज्यादा कमजोर हो गया है। जनता की राय, वोट और संविधान — सब कुछ उस ताक़त के सामने बौना साबित हो रहा है, जिसके हाथ में बंदूक है। इतिहास गवाह है कि जहाँ भी फौज ने खुद को स्थायी शासक मान लिया, वहाँ न लोकतंत्र पनपा, न संस्थाएँ मज़बूत हुईं और न ही आम आदमी की ज़िंदगी बेहतर हुई। पाकिस्तान भी शायद इसी रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान की फौजी तानाशाही अब सिर्फ़ एक सत्ता व्यवस्था नहीं रही, बल्कि एक ऐसा सिस्टम बन गई है जो हर नए दौर में खुद को नए कपड़ों में ढाल लेती है। कभी मार्शल लॉ, कभी राष्ट्रपति शासन और अब संविधान-सम्मत तानाशाही। आसिम मुनीर का उदय इसी सिलसिले की सबसे नई कड़ी है। यह अध्याय बताता है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र सिर्फ़ एक खोल है, जिसके भीतर फौजी वर्चस्व अजगर की तरह जकड़े बैठा है। सवाल यह नहीं है कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, असली सवाल यह है कि पाकिस्तान कब तक अपनी सियासत को वर्दी के साए से आज़ाद कर पाएगा। इसके अलावा, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि पाकिस्तान में आने वाली नस्लों के लिए एक ख़तरनाक मिसाल क़ायम हो गई है। जब संविधान को ताक़तवर की सुविधा के मुताबिक़ मोड़ा जाने लगे, और संसद सिर्फ़ मुहर लगाने वाली संस्था बन जाए, तो लोकतंत्र की बुनियाद ही खोखली हो जाती है। नतीजतन, सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ता है और आम नागरिक खुद को पूरी तरह बेबस महसूस करने लगता है।

बाल विवाह मुक्त भारत की ओर बढ़ता देश: स्कूल, समाज और सरकार मिलकर बचपन की रक्षा का संकल्प

-कानून, चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी से बाल विवाह पर रोक, बेटियों को शिक्षा और सुरक्षित भविष्य

27 नवंबर 2024 भारत के सामाजिक इतिहास में एक अहम तारीख के रूप में दर्ज हुई। इसी दिन भारत सरकार के नेतृत्व में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की राष्ट्रव्यापी शुरुआत हुई। यह सिर्फ़ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सरकार और समाज के संयुक्त संकल्प का प्रतीक है, जिसका लक्ष्य है—हर बच्चे को उसका बचपन, उसकी पढ़ाई और उसका भविष्य लौटाना। वर्षों से जमी एक कुरीति को जड़ से उखाड़ फेंकने की इस कोशिश ने यह साफ संकेत दिया कि भारत अब बाल विवाह को सहन नहीं करेगा। इस अभियान का असर महज़ काग़ज़ों तक सीमित नहीं है। पिछले एक वर्ष में देशभर में एक लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए। यह अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन इसके बावजूद सच्चाई यह भी है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (2019-21) के मुताबिक भारत में 20-24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष से पहले ही शादी के बंधन में बांध दी गई थीं। यह आंकड़ा केवल प्रतिशत नहीं है; इसके पीछे लाखों चेहरे, अधूरे सपने और ज़बरदस्ती छीने गए बचपन की कहानियां छुपी हैं।

हर बच्चा एक कहानी है

बाल विवाह को सिर्फ़ सामाजिक बुराई कह देने से उसकी भयावहता पूरी तरह समझ में नहीं आती। हर बाल विवाह एक बच्चे के जीवन में आई ऐसी दरार है, जिसे भर पाना बहुत मुश्किल होता है। एक तरफ़ वह बच्चा होता है जो स्कूल जाने, खेलकूद करने और सपने देखने की उम्र में चौका-चूल्हा, जिम्मेदारियों और गर्भ के बोझ तले दबा दिया जाता है। दूसरी तरफ़ वह समाज होता है, जो परंपरा और झूठे सम्मान के नाम पर इस अन्याय को सही ठहराने की कोशिश करता है। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। समाज के भीतर चेतना जाग रही है। लोग न सिर्फ़ बाल विवाह के खिलाफ़ आवाज़ उठा रहे हैं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए सहयोगी तंत्र भी तैयार हो रहे हैं—स्कूल, शिक्षक, पंचायत, स्वयंसेवी संगठन, पुलिस और प्रशासन सब मिलकर।

चित्रदुर्ग की बच्ची : साहस की मिसाल

कर्नाटक के चित्रदुर्ग ज़िले की 13 वर्षीय बच्ची की कहानी इस बदलाव की मिसाल है। उसके परिवार ने तय कर लिया था कि उसकी शादी हर हाल में होगी—उसकी मर्ज़ी कोई मायने नहीं रखती थी। बच्ची ने रो-रोकर स्कूल में बने रहने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने नहीं सुना। जब विवाह की रस्में शुरू हुईं, तो उसने एक ऐसा कदम उठाया, जो अद्‌त साहस का प्रतीक है। वह खुद को छुड़ाकर भाग निकली। उसकी चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग इकट्ठा हुए। किसी ने वीडियो बनाए, किसी ने पुलिस को सूचना दी। समय पर प्रशासन पहुंचा और बच्ची बचा ली गई। यह सिर्फ़ एक बच्ची का बचना नहीं था, बल्कि यह समाज के जागने का संकेत था।

बीरभूम की चिट्ठी : भरोसे की आवाज़

पश्चिम बंगाल के बीरभूम ज़िले में एक स्कूल के ड्रॉप बॉक्स में मिली छोटी-सी चिट्ठी ने भी यही साबित किया कि बच्चों को अब भरोसा होने लगा है कि कोई उनकी सुनने वाला है। चिट्ठी में लिखा था—"मैम, मेरी मदद कीजिए। मेरे माता-पिता मेरा विवाह करा रहे हैं।" शिक्षिका ने लिखावट पहचान ली। बच्ची को ढूंढा गया, पुलिस को सूचना दी गई। जब माता-पिता को क़ानूनी नतीजों और बच्ची के भविष्य के बारे में समझाया गया, तो वे पीछे हट गए। बच्ची दोबारा स्कूल लौटी। यह घटना दिखाती है कि जब बच्चे सुरक्षित महसूस करते हैं, तो वे अपना हक़ मांगने का साहस कर पाते हैं।

हर मिनट तीन लड़कियां

इन प्रेरक घटनाओं के बावजूद सच्चाई कड़वी है। आज भी भारत में हर मिनट तीन लड़कियों की शादी कर दी जाती है। यह आंकड़ा झकझोर देने वाला है। इसका मतलब है कि जब तक हम इस लेख को पढ़ेंगे, दर्जनों बच्चियां शादी के नाम पर अपने अधिकार खो चुकी होंगी। बाल विवाह सीधे-सीधे बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है। यह उनसे उनकी स्वायत्तता, सुरक्षा और स्वतंत्रता छीन लेता है। एक बात बिल्कुल स्पष्ट होनी चाहिए— एक बच्चे के साथ विवाह के भीतर बनाया गया यौन संबंध भी बलात्कार है। यह अनैतिक है, गैरकानूनी है और किसी भी हाल में जश्न का विषय नहीं हो सकता। क्योंकि एक बच्चा विवाह के लिए सहमति देने में सक्षम ही नहीं होता। ऐसे में यह विवाह नहीं, बल्कि एक प्रकार की हिंसा है।

लड़कियों की सुरक्षा का सबसे बड़ा दुश्मन

बाल विवाह लड़कियों की सुरक्षा का सबसे बड़ा शत्रु और उनकी शिक्षा में सबसे बड़ा अवरोध है। शादी के बाद लड़की का स्कूल छूटना लगभग तय हो जाता है। शिक्षा से बाहर होने का मतलब है—आत्मनिर्भरता से बाहर होना, रोज़गार के अवसर खो देना और जीवन भर परनिर्भर बने रहना। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं है, बल्कि देश का भी भारी नुकसान है। जब लाखों लड़कियां कामकाजी उम्र में शिक्षा और कौशल के अभाव में कार्यबल से बाहर हो जाती हैं, तो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर उसका गहरा असर पड़ता है।

स्वास्थ्य पर गहरा संकट

बाल विवाह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट भी है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और बच्चे—दोनों की जान जोखिम में पड़ जाती है। कम उम्र में प्रसव के दौरान मातृ मृत्यु का खतरा बढ़ता है, प्रसूति संबंधी जटिलताएं होती हैं, एनीमिया और कुपोषण आम हो जाता है, मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है, कम उम्र की माताओं से जन्मे शिशुओं में, समय-पूर्व जन्म, कम वजन, नवजात मृत्यु, मां-बच्चे दोनों की मृत्यु का खतरा कहीं अधिक होता है।

आर्थिक बोझ और विकास पर असर

बाल विवाह केवल सामाजिक या स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है, यह एक बड़ा आर्थिक संकट भी है।

मुनाफ़े की अंधी दौड़ में संवेदनाहीन बनी एयरलाइंस: उड़ानें रद्द, टूटा भरोसा और सवालों में घिरी कॉर्पोरेट नैतिकता

-फ्लाइट कैंसलेशन, पायलट थकान और ग्राहक उपेक्षा ने बिज़नेस एथिक्स की हकीकत उजागर की

कभी कहा जाता था—ग्राहक भगवान होता है। बिज़नेस की किताबों में आज भी लिखा है कि ग्राहक सेवा किसी भी कंपनी की आत्मा होती है। कॉर्पोरेट सम्मेलनों में अभी भी बिज़नेस एथिक्स, कस्टमर सेंट्रिसिटी और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी जैसे भारी-भरकम शब्द बड़े गर्व से दोहराए जाते हैं। लेकिन हकीकत क्या है? क्या वाकई बड़ी कंपनियां, खासकर देश की सबसे बड़ी निजी एयरलाइंस, ग्राहक को भगवान तो दूर, एक आम इंसान भी समझती हैं? हाल के दिनों में एक साथ हजारों फ्लाइट्स का कैंसल होना किसी "तकनीकी गड़बड़ी" या "मौसम की मार" से कहीं ज्यादा गहरी समस्या की ओर इशारा करता है। यह केवल शेड्यूल बिगड़ने या यात्रियों की असुविधा का सवाल नहीं है, बल्कि यह उस सोच का परिणाम है जिसमें मुनाफ़ा इंसान पर भारी पड़ जाता है।

उड़ान रद्द नहीं हुई, भरोसा टूटा

पहले फ्लाइट कैंसलेशन एक अपवाद हुआ करता था—कभी मौसम, कभी तकनीकी वजह, कभी किसी विशेष परिस्थिति में। यात्री नाराज़ होता, विकल्प खोजता और आगे बढ़ जाता। लेकिन जब एक साथ सैकड़ों-हजारों फ्लाइट्स रद्द हों, एयरपोर्ट पर अराजकता फैले, यात्रियों को न सही जानकारी मिले, न समय पर रिफंड या वैकल्पिक व्यवस्था—तो यह सिर्फ एक "ऑपरेशनल फेल्योर" नहीं रह जाता। यह सिस्टम की असफलता बन जाता है। ऐसे हालात में यह एहसास गहरा होता है कि ग्राहक सिर्फ आंकड़ा बन चुका है—बुकिंग आईडी, पीएनआर नंबर, कॉल सेंटर की लंबी वेटिंग लाइन का एक सिरा। न संवेदना, न संवाद, न जिम्मेदारी।

जल्दी पहुंचना नहीं, सुरक्षित पहुंचना ज़रूरी

किसी भी यात्री के लिए सबसे अहम बात समय पर नहीं, सुरक्षित पहुंचना होती है। हालिया अहमदाबाद एयरक्रैश ने यह सच्चाई एक बार फिर झकझोर कर रख दी। कुछ पलों के लिए ही सही, लेकिन हर यात्री के मन में यह सवाल जरूर उठा—क्या मैं सुरक्षित हूं? ऐसे समय में सुरक्षा से जुड़ी नई गाइडलाइंस—खासकर पायलटों के कार्य-समय और आराम को लेकर—सिर्फ नियमों का पुलिंदा नहीं हैं, बल्कि यात्रियों की जान की गारंटी की कोशिश हैं।

पायलट मशीन नहीं, इंसान हैं

हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि कॉकपिट में बैठा पायलट कोई रोबोट नहीं होता। वह भी इंसान है—हमारी ही तरह थकने वाला, तनाव महसूस करने वाला, भावनात्मक और मानसिक दबाव झेलने वाला। फर्क बस इतना है कि उसकी एक छोटी-सी चूक सैकड़ों जिंदगियों पर भारी पड़ सकती है। 24×7 काम, बार-बार टाइम ज़ोन बदलना, रात की उड़ानें, नींद की कमी—ये सब किसी के भी मानसिक और शारीरिक संतुलन को बिगाड़ने के लिए काफी हैं। जो यात्री केबिन क्रू से सुरक्षा निर्देश सुनते हुए कॉफी की चुस्कियां ले रहा होता है, वह शायद यह नहीं सोचता कि प्लेन को उड़ाने वाला भी उतना ही इंसान है, और उसका पूरी तरह स्वस्थ रहना कितनी बड़ी ज़रूरत है।

नींद की कमी: अदृश्य खतरा

लंबे समय तक नींद की कमी सिर्फ थकान नहीं लाती। यह व्यक्ति के ध्यान, फैसले लेने की क्षमता, भावनात्मक नियंत्रण और प्रतिक्रिया समय को भी प्रभावित करती है। कॉकपिट में तो कुछेक सेकंड की देरी या गलत निर्णय जानलेवा साबित हो सकता है। कोई भी यात्री यह नहीं चाहेगा कि उसकी फ्लाइट एक ऐसे पायलट के हाथों में हो जो कई रातों से ठीक से सोया न हो। इसलिए जब नए नियम पायलटों को हर हफ्ते ज्यादा आराम, रात की लैंडिंग्स में कमी और नाइट ड्यूटी के बाद पर्याप्त रिकवरी टाइम की बात करते हैं, तो यह यात्रियों के हित में भी है।

नियमों से कंपनियों को परेशानी क्यों?

असल परेशानी सुरक्षा नियमों से नहीं, बल्कि मुनाफ़े की गणना से है। ज्यादा आराम का मतलब—कम उड़ानें, ज्यादा पायलट, ज्यादा खर्च। निजी एयरलाइंस के लिए यह सीधा-सीधा वित्तीय नुकसान दिखता है। लेकिन यही वह मोड़ है जहां बिज़नेस एथिक्स की परीक्षा होती है। क्या किसी कंपनी का पहला धर्म अपने शेयरहोल्डर्स का फायदा है, या उन लाखों यात्रियों की सुरक्षा और सम्मान जिनके भरोसे वह कारोबार करती है? अगर नियमों का पालन कुछ समय के लिए असुविधा पैदा करता है, तो उसे सुधार और निवेश के अवसर की तरह देखा जाना चाहिए, न कि बाधा की तरह।

ग्राहक सेवा या ग्राहक मैनेजमेंट?

आज कई कंपनियां कस्टमर सर्विस नहीं, कस्टमर मैनेजमेंट करती दिखती हैं—यानी किसी तरह शिकायत को टालना, जवाब को ऑटोमेट करना, और जिम्मेदारी से बचना। एयरलाइंस के कॉल सेंटर, ऐप्स और ईमेल्स में यही झलक मिलता है। यात्री घंटों लाइन में खड़ा रहता है, फोन पर इंतज़ार करता है, लेकिन उसे न स्पष्ट जानकारी मिलती है, न मानवीय संवेदना। यही वह जगह है जहां ग्राहक खुद को अपमानित और उपेक्षित महसूस करता है।

कॉर्पोरेट नैतिकता सिर्फ स्लाइड्स तक?

कंपनियों की वेबसाइट्स पर वैल्यूज और मिशन स्टेटमेंट बड़े आकर्षक शब्दों में लिखे होते हैं—ईमानदारी, जिम्मेदारी, सम्मान। लेकिन संकट के समय वही कंपनियां सबसे पहले नियमों को बोझ और ग्राहकों को परेशानी मानने लगती हैं। अगर नैतिकता सिर्फ सालाना रिपोर्ट और प्रेज़ेंटेशन तक सीमित रह जाए, तो उसका कोई मतलब नहीं। असली नैतिकता वही है जो कठिन फैसलों में नजर आए—जब लाभ और सुरक्षा में से किसी एक को चुनना हो।

दीर्घकालिक सोच बनाम तात्कालिक मुनाफ़ा

सुरक्षा नियमों का पालन आज शायद कुछ फ्लाइट्स रद्द कराए, शेड्यूल बिगाड़े और शेयर बाजार को थोड़ा नाराज़ करे।

प्रवासी सम्मेलन आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम

-मातृभूमि का कर्ज चुकाने प्रवासी राजस्थान में निवेश के लिए आगे आएं- राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया है कि वे मातृभूमि का कर्ज चुकाने यहां अधिक से अधिक निवेश करें। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को मजबूत करने में सदा मदद की है। प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन राजस्थान के प्रवासियों के आर्थिक योगदान को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का बहुत बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने राजस्थान को भक्ति और शक्ति के साथ लक्ष्मीपुत्रों की धरती बताया। उन्होंने महाकवि कन्हैयालाल सेठियाजी की पंक्तियां "धरती धोरा री" सुनाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में स्थाई वास कराने की भी पहल करें। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी पहल से एक साथ इतने प्रवासी राजस्थानियों का यह भव्य सम्मेलन भविष्य के लिए बहुत बड़ी निवेश संभावनाएं लिए है। राज्यपाल बागडे ने प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया कि वे राजस्थान आएं, यहां उन्हें मानव शक्ति और ज़मीन आदि सभी सुविधाएं समयबद्ध प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान अब सूखा क्षेत्र नहीं है। यह हरा भरा क्षेत्र है। बागडे बुधवार को राजस्थानी प्रवासी दिवस पर आयोजित सम्मेलन में सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री श्रीमती दियाकुमारी, प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ आदि की उपस्थिति में राज्यपाल बागडे ने वाल्मीकि रामायण का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब भगवान राम ने लंका विजय की तो सोने की लंका की लक्ष्मण ने प्रशंसा की। इस पर राम ने कहा कि सोने की लंका मुझे नहीं सुहाती। राम ने कहा "जननी जन्म भूमि स्वर्गादपि गरीयसी"। जननी और जन्म भूमि स्वर्ग से भी महान होती है। उन्होंने मातृभूमि राजस्थान के विकास के लिए प्रवासियों को यहां हर क्षेत्र में सहयोग करने, उद्यमिता से युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान की अपनत्व भरी "पधारो म्हारे देश" की संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रवासी यहां पधारें। उनका स्वागत और अभिनंदन हैं। राज्यपाल बागडे ने इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा और पंजाब के राज्यपाल कटारिया के साथ राज्य में निवेश करने वाले विशिष्ट उद्यमियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया। उन्होंने प्रवासी सम्मेलन पर प्रकाशित पुस्तक का लोकार्पण किया और राजस्थान के बारे में निर्मित फिल्म का भी बटन दबाकर शुभारम्भ किया। सम्मेलन में विभिन्न विभागों द्वारा राजस्थान के विकास को प्रदर्शित करती ऑडियो वीडियो कला दीर्घा का भी उन्होंने वहां पहुंचने पर अवलोकन किया।

राजस्थान से गुजरेगा देश के एनर्जी सेक्टर का सुपर हाईवे- केन्द्रीय विद्युत मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय विद्त मंत्री मनोहरलाल ने आशा व्यक्त की है कि पश्चिमी राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के मामले में ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार का जल्द ही विधिक समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-तृतीय को केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय से अनुमति प्राप्त हो गई है। केन्द्रीय ट्रांसमिशन नेटवर्क के अन्तर्गत 115 गीगावाट का तंत्र राजस्थान में बनाया जा रहा है। प्रसारण तंत्र का यह विस्तार इस बात का संकेत है कि देश के एनर्जी सेक्टर का सुपर हाईवे राजस्थान से होकर ही गुजरेगा। मनोहरलाल बुधवार को जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर बैटरी एनर्जी स्टोरेज को लेकर आयोजित विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने राजस्थान में सौर ऊर्जा क्षेत्र के विकास को लेकर राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान न केवल देश के, बल्कि वैश्विक अक्षय ऊर्जा मानचित्र पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आज हमारा प्रदेश सौर ऊर्जा और समग्र अक्षय ऊर्जा क्षमता, दोनों में देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन में प्रवासी राजस्थानियों का ज्ञान, पूंजी और ग्लोबल नेटवर्क अत्यंत मूल्यवान पूंजी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश को ऊर्जा लेने वाले के स्थान पर देने वाले राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं। हमारी सरकार ने अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं और पार्कों के लिए 23,386 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है, जिसके माध्यम से लगभग 10,202 मेगावाट क्षमता विकसित होने जा रही है। शर्मा ने कहा कि अक्षय ऊर्जा निगम एवं विद्त उत्पादन निगम को 26,784 मेगावाट क्षमता वाले सोलर पार्कों के लिए 51,808 हेक्टेयर भूमि का अतिरिक्त आवंटन किया गया है, जो आने वाले वर्षों में गीगावाट स्तर की परियोजनाओं का मजबूत आधार बनेगा। वहीं, 964 मेगावाट सोलर कैप्टिव प्लांटों एवं 1,514 मेगावाट क्षमता वाले सोलर प्लांटों को स्वीकृति दी जा चुकी है, जो उद्योगों और बड़े उपभोक्ताओं को स्वच्छ, सस्ती और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के किसानों को सशक्त बनाने और उन्हें अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता बनाने के लिए पीएम कुसुम जैसी अनुपम योजना चलाई है। इसमें राजस्थान पूरे देश के लिए मार्गदर्शक राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पीएम-कुसुम (कम्पोनेंट ए और सी) के अंतर्गत 10,533 मेगावाट क्षमता की 5,002 सौर परियोजनाओं के लिए कार्यादेश किए हैं और 2,272 मेगावाट की 1,019 परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। कम्पोनेंट-ए में तो हमारा राजस्थान पूरे देश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश के खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं ने पश्चिमी राजस्थाान में लोगों का भाग्य बदल दिया है। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि प्रदेश में पीक ऑवर्स की डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली को गति दी गई है। राज्य में 6 हजार मेगावाट की भंडारण प्रणाली विकसित की जा रही है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवा सहभागिता आवश्यक- राज्य निर्वाचन आयुक्त

-मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार गोष्ठी में वक्ताओं ने विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ बढ़ाने पर दिया जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रक्रिया का आलोचनात्मक अध्ययन और मूल्यांकन कर इसमें सहभागी बनकर सक्रिय योगदान करना चाहिए ताकि भारतीय लोकतंत्र के स्वातंत्र्य, समता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्र के सर्वतोमुखी एवं सर्वसहभागी विकास के महान स्वप्न को साकार किया जा सके। राजेश्वर सिंह ने बुधवार को सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, जयपुर की 'ज़ेवियर्स इलेक्टोरल लिटरेसी सोसायटी', उन्नत भारत अभियान एवं जेवियर्स वोकेशनल इइंस्टीटयूट द्वारा आयोजित "मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार" विषयक युवा गोष्ठी में ये बात कही। कार्यक्रम में राजेश्वर सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, विकास संबंधी मुद्दों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के आलोचनात्मक अध्ययन एवं अनुशीलन में प्रवृत्त होने तथा अपनी बुनियादी समझ विकसित करने हेतु प्रेरित किया ताकि वे शिक्षित, सक्षम एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि व दूरदृष्टि संपन्न, क्रियाशील एवं विकासोन्मुखी सरकार का चुनाव कर सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति , सिद्धान्त, कार्यक्रम, कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए । उन्हें प्रत्याशियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिबद्धता, जनसमस्याओं की समझ, तथ्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में प्रो. सुधीर सोनी ने 'वोटर रजिस्ट्रेशन ऐप' के बारे में बताया कि यह ऐप युवा मतदाताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाता है। इसके बाद विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ली जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने और निभाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी समझ को और गहरा किया। सेंट जेवियर कॉलेज के प्राचार्य ने अतिथियों को सम्मान चिन्ह देकर धन्यवाद ज्ञापन किया ।

श्री राधा गोविन्द कॉलेज में साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ब्रह्मपुरी के कंवर नगर स्थित श्री राधा गोविन्द राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) एवं स्काउट के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा, सेक्सटॉर्शन एवं वित्तीय धोखाधड़ी जैसे समसामयिक विषयों पर एक विशेष जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में 'सोशल एंड मीडिया मैटर्स' संस्था की अर्निका सिंह ने शिरकत की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग, साइबर ठगी, फर्जी कॉल और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। अर्निका सिंह ने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि आज के दौर में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, इसलिए अनजान लिंक पर क्लिक करने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचना चाहिए। विद्यार्थियों ने सत्र में गहरी रुचि दिखाई और प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संगीता कुमारी ने किया, जबकि रेंजर प्रभारी डॉ. सुबिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान अनुशासन व्यवस्था की जिम्मेदारी डॉ. विवेक कुमार चूलेट ने निभाई और महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

सुनील शर्मा ने राज्य सूचना आयुक्त पद की शपथ ली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नव नियुक्त राज्य सूचना आयुक्त सुनील शर्मा को बुधवार को राज्य सूचना भवन में मुख्य सूचना आयुक्त मोहन लाल लाठर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी शर्मा को राज्यपाल बागडे ने गत 8 दिसम्बर को अधिसूचना जारी कर राज्य सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की थी। शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

हर इंसान को समान अधिकार और स्वतंत्रता मिलनी चाहिए - कुड़ी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि विश्व मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाता है, जिस दिन 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह दिन दुनिया भर में मानवाधिकारों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सभी के लिए समानता, स्वतंत्रता, और गरिमा के मूल सिद्धांतों को बढ़ावा देने का अवसर है। कुड़ी साहब ने पिछले साल की थीम पर बोलते हुए कहा कि "असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना" जो मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के महत्व पर प्रकाश डालती है और सभी देशों और लोगों को इन अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करती है। कुड़ी साहब ने कहा कि - यह दिन हमें याद दिलाता है कि हर इंसान को समान अधिकार और स्वतंत्रता मिलनी चाहिए, चाहे उनकी जाति, धर्म, लिंग, या स्थिति कुछ भी हो। यह मानवाधिकारों की रक्षा और सम्मान के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। कुड़ी साहब ने कहा कि - दुनिया भर में इस दिन को मानवाधिकार प्रदर्शनियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, और जागरूकता अभियानों के माध्यम से मनाया जाता है। सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, और आम लोग मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने और उनके संरक्षण के लिए कार्य करते हैं।

'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए पलक-पावड़े बिछाने को तैयार जयपुर

-शहर में सजावट और तैयारियां अंतिम चरण में, जेडीए ने प्रमुख मार्गों को दिया भव्य रूप

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के लिए गुलाबी नगरी पूरी तरह सजकर तैयार है। देश-विदेश से आने वाले 'पावणों' (अतिथियों) के स्वागत के लिए नगरीय विकास विभाग और जयपुर विकास प्राधिकरण ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

उत्सव के रंग में रंगा शहर:

नगरीय विकास विभाग के नेतृत्व और निर्देशन में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में सौंदर्यीकरण का कार्य युद्धस्तर पर किया गया है। राज्य सरकार की मंशानुरूप प्रवासियों के स्वागत के लिए शहर के प्रमुख चौराहों, तिराहों, मुख्य मार्गों और डिवाइडर्स पर आकर्षक सजावट, विशेष लाइटिंग और फुलवारी (ग्रीनरी) का कार्य पूर्ण किया गया है। जेडीए द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि शहर में उत्सव जैसा माहौल नजर आए और आगंतुक यहां से सुखद स्मृतियां लेकर लौटें।

उच्च अधिकारियों ने परखीं तैयारियां:

आयोजन की भव्यता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल (जेईसीसी, सीतापुरा) का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मुख्य समारोह स्थल, सेक्टोरल सेशन हॉल और राज्य की उपलब्धियों को दर्शाने वाले 'प्रगति पथ' का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव - नगरीय विकास विभाग देबाशीष पृष्टि, जेडीए आयुक्त श्रीमती आनन्दी, रीको एमडी, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रवासियों में भारी उत्साह:

सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने और पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस को लेकर प्रवासी समुदाय में जबरदस्त उत्साह है। अब तक 8,700 से अधिक प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। जयपुर विकास प्राधिकरण और नगरीय विकास विभाग, राजस्थान की 'अतिथि देवो भव:' की परंपरा को निभाते हुए इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-29 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 12 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जे.एल.एन मार्ग, अपेक्स सर्किल, बी-2 बाईपास से इण्डिया गेट के दोनों तरफ, वीटी रोड़ मानसरोवर, शिप्रापथ तिब्बती मार्केट के पास, बड़ी चौपड़, सांगानेरी गेट, जौहरी बाज़ार, त्रिपोलिया बाजार, घाटगेट, पिंक स्कायर मॉल, एम.डी. रोड, होटल अरिहंत, गीता भवन, दिल्ली बाईपास रोड, गलता गेट, मोती डूंगरी रोड, रामगढ़ मोड़, जामडोली, मोहनपुरा रोड, ब्रह्मपुरी चौराहा, चांदी की टकसाल, हटवाड़ा रोड, घोड़ा निकास रोड से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 29 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 12 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जे.एल.एन मार्ग, अपेक्स सर्किल, बी-2 बाईपास से इण्डिया गेट के दोनों तरफ, वीटी रोड़ मानसरोवर, शिप्रापथ तिब्बती मार्केट के पास, बड़ी चौपड़, सांगानेरी गेट, जौहरी बाज़ार, त्रिपोलिया बाजार, घाटगेट, पिंक स्कायर मॉल, एम.डी. रोड, होटल अरिहंत, गीता भवन, दिल्ली बाईपास रोड, गलता गेट, मोती डूंगरी रोड, रामगढ़ मोड़, जामडोली, मोहनपुरा रोड, ब्रह्मपुरी चौराहा, चांदी की टकसाल, हटवाड़ा रोड, घोड़ा निकास रोड से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 12 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 29 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

सड़कों पर घूम रहे एवं अवैध पशु डेयरियों से 26 बेसहारा गौवंश रेस्क्यू

-हिंगोनिया गौ-पुनर्वास केंद्र भेजे गए सभी गौवंश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर की पशु प्रबंधन शाखा ने बुधवार को आदर्श नगर मटका सर्किल, घाटगेट, बडी चौपड, गलता गेट, आमेर फोर्ट, दिल्ली बाईपास रोड क्षेत्र में निराश्रित गौवंश को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर तथा उपायुक्त सीमा शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम डॉ. योगेश शर्मा एवं डॉ. राकेश कलोरिया ने पूरे क्षेत्र में सघन निरीक्षण करते हुए कार्रवाई को अंजाम दिया।

अभियान के दौरान सड़कों, गलियों और आवासीय इलाकों में घूम रहे 26 निराश्रित गौवंश को रेस्क्यू कर सुरक्षित रूप से हिंगोनिया गौ-पुनर्वास केंद्र भेजा गया। टीम ने मौके पर मौजूद पशुओं की स्थिति की जांच की तथा परिवहन प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा किया उपायुक्त सीमा शर्मा ने बताया कि आवासीय इलाकों और मुख्य सड़कों पर घूमते बेसहारा गौवंश न केवल यातायात बाधित करते हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी बनते हैं। इसी को देखते हुए निगम द्वारा ऐसे क्षेत्रों में नियमित रूप से अभियान चलाया जा रहा है, जिससे शहर में यातायात सुचारू रहे और पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे। लक्ष्य है कि शहर को बेसहारा पशु समस्या से मुक्त किया जाए और सभी गौवंश को सुरक्षित पुनर्वास केंद्रों तक पहुँचाया जाए।

नगर निगम की सख्त कार्रवाई: किशनपोल जोन में अवैध निर्माण पर, बापू बाजार-इंद्रा बाजार की 4 दुकानें सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर में अवैध निर्माणों पर लगाम कसते हुए नगर निगम जयपुर ने बुधवार को किशनपोल जोन में बड़ी कार्रवाई अंजाम दी। जोन टीम ने निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर अभियान चलाकर बापू बाजार, इंद्रा बाजार और चांदपोल क्षेत्र में अवैध रूप से बने निर्माणों और दुकानों को सीज कर दिया। इस संबंध में जोन उपायुक्त विजेंद्र कुमार ने बताया कि जोन निरीक्षण के दौरान कई व्यापारिक प्रतिष्ठान बिना सक्षम स्वीकृति और बिना इजाजत निर्माण करते पाए गए थे। मामले की गंभीरता देखते हुए निगम की टीम तुरंत हरकत में आई और मौके पर ही चार दुकानों को सीज कर दिया गया।

सीज की गई दुकानें/भवन-सूची

दु.न. 121, बापू बाजार, जयपुर

दु.न. 122, बापू बाजार, जयपुर

दु.न. 209, इंद्रा बाजार, जयपुर

दु.न. 27, अनाज मंडी, चांदपोल बाहर, जालूपुरा, जयपुर

यह कार्रवाई किशनपोल जोन उपायुक्त विजेन्द्र सिंह, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक शशिकांत शर्मा और हेरिटेज सेल प्रभारी के निर्देशन में की गई।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध निर्माण, अतिक्रमण एवं बिना अनुमति किए जा रहे किसी भी गतिविधि पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों से भी अपील की गई है कि किसी भी निर्माण से पूर्व आवश्यक अनुमति अवश्य प्राप्त करें, अन्यथा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

12 दिसंबर को आयोजित होगा 'नवाचार दिवस-स्टार्टअप्स एक्सपो'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 12 दिसंबर को जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 'नवाचार दिवस-स्टार्टअप्स एक्सपो' का आयोजन किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बुधवार को आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से जुड़ी हर व्यवस्था उच्चतम गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय से पहले पूर्ण की जाए। आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और उन्होंने स्टार्टअप प्रदर्शनी, मुख्य हॉल में बैठक व्यवस्था, अतिथियों के आगमन एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कार्यक्रम को उत्कृष्ट बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त हिमांशु गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाले नवाचार दिवस-स्टार्टअप्स एक्सपो में स्टार्टअप्स की प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र होगी। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। आइस्टार्ट राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित स्टार्टअप्स को फंडिंग चेक प्रदान किए जाएंगे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका कर्मचारी संगठन द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर महिला एवं बाल विकास विभाग मैं कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका कर्मचारी संगठन द्वारा जिला कलेक्टर एवं उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग को एक ज्ञापन सोपा गया जिसमें कार्यकर्ताओं ने बताया कि ओबीसी आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) सर्वे के कार्य से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की डयूटी हटवाने को लेकर ज्ञापन दिया गया है । जिसमें उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि महोदय आप को इस सन्दर्भ में हमारे द्वारा अवगत करवाया जा रहा है कि उपखण्ड कार्यालय द्वारा क्रमांक उत्खचू/ओ. बी.सी. आयोग/554-60 दिनांक-09.दिसमबर.2025 को ओबीसी आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) का सर्वे का कार्य दिया गया है। जिसमें प्रतिदिन ओबीसी वर्ग के समस्त घरों में जाकर सर्वे किया जायेगा। सर्वे कार्य के दौरान समेकित बाल विकास सेवाएं के अन्तर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा समुदाय स्तर पर पूरक पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच रेफरल सेवाएं, प्री-स्कूल अनौपचारिक शिक्षा और पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा व प्रतिदिन किये जाने वाले पोषण ट्रेकर पर ऑनलाइन कार्य प्रतिदिन निस्तर किये जाने सम्भव नहीं है एवं सर्वे कार्य के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र भी संचालित किये जाना सम्भय नहीं है जिसमें चूरू जिले व ब्लॉक की रिपोर्ट राज्य स्तर पर खराब होगी एवं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अर्द्धशासकीय पत्रांक D.O. NO.WBP-29/4/20190CPMU दिनांक 06.11.2025 के बकेन्द्र सरकार द्वारा प्रदत निर्देशों की पालना में निदेशालय, समेकित बाल विकास सेवाएं जयपुर (राज्य सरकार) द्वारा पत्र क्रमांक Raj-kaj Ref No.18824325 दिनांक 28.11.2025 जारी पत्र में स्पष्ट निर्देश प्रदान किये गये हैं कि जिला प्रशासन द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभागीय कार्यों के अतिरिक्त अन्य कार्यों में नहीं लगाने के निर्देश स्पष्ट रूप से प्रदान किये गये है। श्रीमान् जी ओबीसी आयोग के सर्वे से हमारी डयूटी हटवाकर केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत निर्देशों की पालना करवाने की कृपा करें। इससे पहले भी हमें एस आई आर मैं भी ड्यूटी लगाई गई थी जिसका हमें कोई भी भुगतान नहीं दिया गया। और पुरानी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका इतनी भी शिक्षित नहीं है कि वह ऑनलाइन कार्य कर सकें अतः आपसे निवेदन है कि हमारी ड्यूटी हटाई जाए।

प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने मोसिन खान को चुरु जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर युवा कांग्रेस चुरु जिलाध्यक्ष आसिफ खान ने बताया की राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा जारी जिलाध्यक्ष सूची में मौसिम खान को चूरू जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मौसीम खान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी व प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार का आभार प्रकट किया व कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर व मिठाई खुलाकर जश्न मनाया। मौसिम खांन को जिलाध्यक्ष नियुक्त किएं जाने पर उनके समर्थकों में भारी जोश व उत्साह देखने को मिला व मौसिम खांन ने कहा की अल्पसंख्यक विभाग ने मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को जिलाध्यक्ष बनाकर विश्वास जताया है मैं शीर्ष नेतृत्व तथा प्रदेशध्यक्ष की उम्मीदों पर खरा उतरुंगा। संगठन जो भी जिम्मेदारी सौंपेगा तन मन के साथ खरा उतरुंगा।

भाजपा छोड़कर कांग्रेस में हुए शामिल

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपुरोहित के पदभार ग्रहण के कार्यक्रम में मारवाड़ जंक्शन के श्रवण सिंह बिठोडा, प्रमोद सेन, सोहन भाट, पारसमल प्रजापत, सोहनलाल देवासी ने जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा के नेतृत्व में भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। यह जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता रफीक चौहान ने बताया कि इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश सहप्रभारी एवं एआईसीसी सचिव रित्विक मकवाना एवं एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर ने कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर एवं जिलाध्यक्ष ने माला पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

राजस्थान अधीनस्थ कंप्यूटर कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष की पीडब्ल्यूडी राज्य मंत्री से मुलाकात

-आईटी कैडर के पद सृजन का प्रस्ताव सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान अधीनस्थ कंप्यूटर कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कपिल चौधरी की कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष धर्मराज मीणा एवं ऋषि सैनी कोषाध्यक्ष द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग राज्य मंत्री मंजू बाघमार से शिष्टाचार मुलाकात की गई। मुलाकात के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग राज्य मंत्री मंजू बाघमार को 326 पदों के सृजन के सम्बन्ध में ज्ञापन प्रस्तुत कर अवगत करवाया कि पूर्व में वर्ष 2021 में विभाग द्वारा 300 नवीन पदों का प्रस्ताव भिजवाया गया था उसकी पुनः समीक्षा करवाकर ज्ञापन अनुसार पदों के नवसृजन की कार्यवाही हेतु निवेदन किया गया। ऋषि सैनी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग राज्य मंत्री मंजू बाघमार को अवगत करवाया कि जिस तीव्र गति से विभाग ऑनलाइन सेवाओं की ओर अग्रसर हो रहा है, उसी अनुरूप राज्य के नागरिकों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए आईटी विशेषज्ञ कर्मियों के पदों का सृजन अत्यंत आवश्यक है। मंत्री मंजू बाघमार ने ज्ञापन को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए ज्ञापन पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश प्रदान किए एवं पूर्व में विभाग द्वारा भिजवाए गए प्रस्ताव की समीक्षा करवाने का आश्वासन प्रदान किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना के आवेदकों का किया सत्यापन

रतननगर (रॉयल पत्रिका)। जरूरतमंद परिवारों के लिए शुरू हुई प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी संजू खोड ने नगरपालिका रतननगर में प्राप्त करीब तीन दर्जन से भी अधिक आवेदकों के घर जाकर मौके पर सत्यापन की कार्यवाही की गई। उल्लेखनिय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नगरीय निकायों के माध्यम से जरूरतमंदो से जिनके जमीन का मालिकाना हक उनके नाम से हो और वे मकान निर्माण या अभिवृद्धि करवाना चाहते हो तो उन्हें केन्द्र सरकार के द्वारा अधिकतम 2.50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जाती है जोकि निर्धारित प्रक्रिया के बाद आवेदकों के खातों में किश्तों के रूप में भेजी जाती है। अधिशाषी अधिकारी संजू खोड ने बताया कि नगरपालिका रतननगर में प्राप्त प्रधानमंत्री आवास योजना के समस्त आवेदनों की जांच की जाकर नगरपालिका द्वारा गठित टीम द्वारा मौके पर जाकर सत्यापन किया जा रहा है। टीम में कनिष्ठ अभियंता मुकेश कुमार, श्याम सुंदर शर्मा, विकास भाटिया आदि शामिल रहें।

अल्पसंख्यक कांग्रेस करौली के जिला अध्यक्ष बने पार्षद अब्दुल मुगनी खान एडवोकेट

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। शहर के समाजसेवी पार्षद अब्दुल मुगनी खान एडवोकेट को करौली अल्पसंख्यक कांग्रेस का जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर आज पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार करते हुए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमेन राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में हिंडौन निवासी पार्षद अब्दुल मुगनी खान एडवोकेट को करौली जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर स्थानीय कांग्रेस जनों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी,सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, मुख्य सचेतक रफीक खान,अल्पसंख्यक विभाग की राजस्थान सह प्रभारी इनायत राथेर, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमेन एमडी चोपदार,जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम महर, सांसद भजनलाल जाटव, हिंडौन विधायक अनीता जाटव, करौली के पूर्व विधायक लखन मीणा, सपोटरा के पूर्व विधायक व मंत्री रमेश मीणा व अल्पसंख्यक विभाग के जिला प्रभारी मुकीम खान का आभार व्यक्त किया है। आज नियुक्ति की खबर मिलते ही दर्जनों कांग्रेसजनों ने अब्दुल मुगनी खान के जोशी मार्केट स्थित कार्यालय पर पहुंचकर उनको माला और साफा पहनाते हुए एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अब्दुल मुगनी खान एडवोकेट ने कहा कि अल्पसंख्यक वर्ग के सभी लोगों को साथ लेकर चलना और उनके हितों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से उनकी आवाज बुलंद करना,मेरी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि जिले में कांग्रेस को और मजबूत करने के लिए पूरी टीम के साथ मिलकर संगठन द्वारा जमीनी स्तर पर कार्य किया जाएगा। इस नियुक्ति पर पूर्व उपसभापति नफीस अहमद, करौली सभापति प्रतिनिधि अमीनुद्दीन खान, वक़्फ़ कमेटी के सदर बब्बू भाई शाह, वक़्फ़ कमेटी के खजांची भीकम भाई, मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा, सोनू हाड़ौली, अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अबरार काजी, जहीर खान सूरौठ, सद्दाम हुसैन गद्दीपुरा, शफीक खान ढिंढोरा, शकील अहमद टोडाभीम, फारुख खान करौली, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष दाऊद अली, मुफ्ती अब्दुल हमीद, हाफिज हाशिम, जमीअत उलमा-ए-हिंद के नायब सदर मौलाना मुजाहिद, एडवोकेट इमरान खान, व्यवसायी मुफीद कटकड, इदरीस अहमद, मीडिया प्रभारी रफीक चौधरी, अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिला अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन, जमीअतुल कुरेश के जिला अध्यक्ष सद्दाम कुरेशी, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष आमिर खान, बॉडीबिल्डिंग में मिस्टर राजस्थान रहे अरशद कुरैशी, अदीब अहमद, अब्दुल हादी, लादेन अली, आसिफ चौधरी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

राजसखी कैंटीन का जिला कलक्टर ने किया शुभारंभ

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । मिनी सचिवालय परिसर में नवस्थापित राजसखी कैंटीन का उद्घाटन बुधवार 10 दिसम्बर 2025 को जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर द्वारा फीता काटकर एवं श्रीगणेश पूजन कर किया गया। जिला प्रशासन एवं राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार संवर्धन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कैंटीन भवन जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया है। कैंटीन का संचालन आस्था राजीविका क्लस्टर लेवल फेडरेशन, बामला को सौंपा गया है।

कैंटीन में चाय, नाश्ता, भोजन, छाछ, लस्सी सहित अन्य खाद्य सामग्री की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उद्घाटन अवसर पर अपर जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड घनश्याम मीणा, आयुक्त नगर परिषद भुवनेश मीणा, निदेशक रुडसेट संस्थान देवेन्द्र मीणा, कृषि उपनिदेशक (विस्तार) धनराज मीणा, जिला परियोजना प्रबंधक राजीविका राजीव तोमर, क्षेत्रीय प्रबंधक राजस्थान महिला निधि केशव चौरसिया सहित अनेक जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर तोमर ने कैंटीन परिसर, हॉल एवं रसोई का निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया तथा इसे निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मिनी सचिवालय परिसर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से राजसखी कैंटीन की सेवाओं का उपयोग करने हेतु प्रेरित किया।

आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना का शुभारंभ

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना का भी जिले में शुभारंभ किया। योजना के अंतर्गत एकता राजीविका क्लस्टर लेवल फेडरेशन, फतेहपुर द्वारा संचालित वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक राजीव तोमर ने बताया कि योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत क्लस्टर लेवल फेडरेशनों को 8.50 लाख रुपए तक की सहायता यात्री या लोडिंग वाहन खरीद एवं संचालन के लिए उपलब्ध कराई जाती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात सेवाएं सुगम होंगी।

पाली जिला अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष बने जावेद सिरोहा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिले के युवा एवं सक्रिय कांग्रेस नेता जावेद सिरोहा को पाली जिला अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर समस्त कांग्रेसजन एवं समाजजन की ओर से ढेरों मुबारकबाद एवं हार्दिक बधाई पेश की गई। इस अवसर पर जावेद सिरोहा ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति शुक्रिया अदा किया। उन्होंने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष एम. डी. चोपदार, पाली अल्पसंख्यक आयोग प्रभारी मुश्ताक खान सूर्या, सहप्रभारी आमीन अली महर का आभार व्यक्त किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता का मंगलवार को रोमांचक समापन हुआ

- प्रतियोगिता में करीब 64 टीमों ने हिस्सा लिया

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। फाइनल मुकाबला झाड़ीसा वर्सज और खेड़ला टीम के बीच खेला गया। दर्शकों को आखिरी ओवर तक दिल थाम देने वाला खेल देखने को मिला। फाइनल में झाड़ीसा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 142 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी खेड़ला टीम ने शुरुआत में दबाव महसूस किया, लेकिन मध्य ओवरों में शानदार वापसी करते हुए मैच को रोमांचक मोड़ दे दिया। झाड़ीसा के फील्डरों ने लगातार दो ओवरों में तीन आसान कैच छोड़ दिए, जिसने मैच का फैसला बदलने में अहम भूमिका निभाई। अंत में खेड़ला के बल्लेबाज ने निर्णायक छक्का लगाकर टीम को अविश्वसनीय जीत दिलाई। विजेता टीम म को को कमेटी की ओर से 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया, जबकि उपविजेता झाड़ीसा - टीम को 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पूरे टूर्नामेंट लमिट में भूपेंद्र शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी का - प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीता। समापन कार्यक्रम में लोकेश कुमार, नन्हे खां, मिथलेश मीना, रिजवान अकील, अब्दुल रशीद, काशिम खां, हरसरूप गुर्जर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कोटा शहर अल्पसंख्यक कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष बने मोहम्मद ज़ुबैर अंसारी

कोटा (रॉयल पत्रिका) । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष व राज्य सभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने बुधवार को राजस्थान के समस्त 50 जिले के अध्यक्षों के नामो कि घोषणा कि है जिसकी अनुसंशा प्रदेश अध्यक्ष एम. डी चोपदार ने की। जिसमे कोटा शहर से मोहम्मद जुबेर अंसारी को जिला अध्यक्ष बनाया। इससे पहले जुबेर अंसारी पुर्व मे युवक कांगेस के कोटा उत्तर विधासभा अध्यक्ष रहे। अध्यक्ष बनने पर मोहम्मद जुबेर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार, लाडपुरा प्रधान नईमुद्दीन गुड्, जिला अध्यक्ष राखी गौतम, सरपंच मुईजुद्दीन गुड् का धन्यवाद किया। जुबेर ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे मिली है उसे ईमानदारी से निभाने की पूरी कोशिश करूंगा और कड़ी से कड़ी जोड़कर कार्यकर्ताओं ओर बुजुर्गों का सम्मान कायम रखूंगा।

जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष बने अली हुसैन टीपू

बारां (रॉयल पत्रिका) । राज्यसभा सांसद और कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी ने बुधवार को राजस्थान के 50 जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है। नियुक्तियां प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम डी चोपदार की अनुशंसा पर की गई है। जिसमें बारां जिलाध्यक्ष पद पर युवा नेता अली हुसैन टीपू को नियुक्त किया गया है। टीपू वर्तमान में बारां जिला मदरसा बोर्ड कमेटी के चेयरमैन भी है। उनकी नियुक्ति पर उनके समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। बालदडा स्थित घर पर मिलने वालों का तांता लग गया। सभी ने अली हुसैन टीपू को नई जिम्मेदारी पर मुबारकबाद पेश की। अपनी नियुक्ति पर टीपू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार, अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा का आभार व्यक्त किया।

चूरू में बीपीएल परिवार की 65 वर्षीय महिला को 17 माह से नहीं मिली वृद्धावस्था पेंशन?

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर बीपीएल परिवार की 65 वर्षीय महिला को 17 माह से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिली है। यहां वार्ड नंबर 50 की वृद्ध महिला रामी देवी पुत्री मालाराम पत्नी चंदू राम ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी पेंशन शुरू हुई थी। उसके पी पी ओ नंबर आर जे एस 12913941 है। रामी देवी ने बताया कि नगरपरिषद, समाज कल्याण विभाग और कलेक्ट्री में जाकर कई बार गुहार लगाई फिर भी उसे 17 माह से पेंशन नहीं मिल रही है। उन्होंने बताया कि जीवित प्रमाण पत्र भी जमा करवा दिया है। रामी कचरा बिनकर गुजार कर रही है। पति चंदू राम लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। वे बीकानेर के डॉक्टर से उपचार करवा रहे हैं। घर चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। पेंशन मिल जाती तो कुछ राहत मिल जाती। रामी ने कहा कि सरकार की पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलना बहुत ही गलत बात है। अधिकारी सुनते ही नहीं हैं, कहां जाएं। कुल मिलाकर बीपीएल परिवार की बेहद जरूरतमंद वृद्ध महिला को सरकार की पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलना जिला प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर रहा है। लगता है यहां बैठे उच्च अधिकारी भजन लाल शर्मा और मोदी सरकार की योजनाओं का भट्ठा बैठाने में लगे हुए हैं। आखिर चूरू जिला मुख्यालय पर बैठे अधिकारी कर क्या रहे हैं, क्या इनकी आत्मा भी मर चुकी है। बड़े ही दुर्भाग्य की बात है।

दलित अधिकार केन्द्र ने शाहदगी का पुरा में लगाई जागरूकता की अलख, सरकारी योजनाओं व अधिकारों की दी जानकारी

हनीस खान कुतकपुर

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। ग्राम शाहदगी का पुरा, ग्राम पंचायत कैलाश नगर, तहसील हिण्डौन सिटी, जिला करौली में 9 दिसंबर 2025 को दलित अधिकार केन्द्र के तत्वावधान में एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केन्द्र के जिला समन्वयक मीठालाल जाटव ने सरकार द्वारा संचालित सामाजिक-आर्थिक उत्थान से जुड़ी विभिन्न योजनाओं—श्रम विभाग की कौशल विकास योजनाएं, पेंशन व छात्रवृत्ति योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना, अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़ी सहायता योजनाएं, पालनहार, नरेगा, गार्गी पुरस्कार, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति सहित कई योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही योजनाओं में समय पर ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया भी समझाई।

बैठक में दलितों व महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के विरुद्ध कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए जागरूक होकर संघर्ष करने का आह्वान किया गया। एससी/एसटी डेवलपमेंट फंड एक्ट 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसंख्या के अनुपात में फंड के सदुपयोग पर भी जोर दिया गया। सामाजिक कार्यकर्ता पप्पू जाटव ने बालिका शिक्षा को समाज की प्रगति की कुंजी बताया, वहीं रामकेश जाटव गुर्जर भाबली ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर चलने और शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का संदेश दिया। बैठक के अंत में सामाजिक कार्यकर्ता पूरण जाटव ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

एडवोकेट जुनैद पठान को प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा अजमेर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने एडवोकेट जुनैद पठान को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया ओर आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटी और काफी उत्साह देखा गया। जिला कोर्ट में बार एसोसिएशन की तरफ से फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया एवं उज्जवल भविष्य की कामनाए की। आपने शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष एम डी चौपदार का धन्यवाद किया। और कहां की बड़ी निष्ठा और कर्तव्य के साथ ईमानदारी से कार्य करूंगा ।

आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना को लेकर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद ने ली समीक्षा बैठक

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति और जीवनशैली को आमजन का अभिन्न हिस्सा बनाना है।

डॉ. बैरवा शासन सचिवालय में मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2025-26 के अंतर्गत आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के संबंध में आयोजित राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में निरोगी रहने, रोगों की रोकथाम करने और प्रकृति आधारित उपचार पद्धतियों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर नागरिक प्राकृतिक और संतुलित जीवनशैली अपनाकर स्वस्थ, सशक्त और ऊर्जा से भरपूर जीवन जी सके।

'प्रत्येक जिले की पांच-पांच ग्राम पंचायतों का चयन'

आयुर्वेद विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने बताया कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के पहले चरण में प्रत्येक जिले की 5 ग्राम पंचायतों का चुनाव किया गया हैं। राज्य भर में कुल 210 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इसके बाद आयुष्मान आरोग्य मंदिर वाली सभी ग्राम पंचायतों को इसमें सम्मिलित किया जायेगा। इन पंचायतों में 18 स्वास्थ्य सूचकांकों पर काम किया जायेगा और इन सूचकांकों की पूर्ण पालना वाली ग्राम पंचायतों को 11 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

'श्रीगंगानगर जिले की इन ग्राम पंचायतों का किया गया है चयन'

आयुर्वेद विभाग के सहायक निदेशक डॉ. चरणजीत ने बताया कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के पहले चरण में श्रीगंगानगर उपखंड की तीन ग्राम पंचायत नेतेवाला, संगतपुरा और दुल्लापुर कैरी, सूरतगढ़ की संघर और घडसाना की मीरगढ ग्राम पंचायत को शामिल किया गया है। सहायक निदेशक ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के जरिए स्वास्थ्य में सुधार करके ग्रामीण क्षेत्र में आमजन का आहार विहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, प्रकृति परीक्षण आदि 18 प्रकार का स्वास्थ्य सूचकांकों के माध्यम से समाज को निरोगी बनाना है। 18 सूचकांकों पर शत-प्रतिशत प्राप्ति पर 11 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस योजना को सफल बनाने में चिकित्सा, शिक्षा, पंचायती राज, सांख्यिकी, सूचना जनसंपर्क, वन महिला एवं बाल विकास की सहभागीदारी रहेगी।

'आरोग्य मित्र और सखी से होगा गाँव-गाँव आयुष्मान'

डॉ. चरणजीत ने बताया कि पांचों ग्राम पंचायतों में आरोग्य मित्र एवं आरोग्य सखियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जायेगा। वे वरिष्ठ नागरिकों, बालिकाओं, शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को वनौषधि परिचय, घरेलु उपचार, आहार-विहार, योग व्यायाम, बीपी व ब्लड शुगर मॉनिटरिंग, नशामुक्ति जैसे सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विषयों का ध्यान रखेगे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान इस योजना की जिले की सहायक नोडल अधिकारी स्वाती गुप्ता आयुर्वेद विभाग के सहायक निदेशक डॉक्टर चरणजीत और राजकीय आयुर्वेद औषधालय नेतेवाला के प्रभारी वैद्य विनोद कुमार शर्मा समेत पंचायती राज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, वन विभाग, जलदाय विभाग, सूचना जनसंपर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने मानवाधिकार दिवस पर बंदियों को उनके अधिकारों के संबंध में किया जागरूक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला कारागृह सवाई माधोपुर में मानवाधिकार दिवस पर बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सचिव समीक्षा गौतम ने मानवाधिकार दिवस मनाये जाने के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। जिनमें समानता और न्याय का संरक्षण, भेदभाव के हर रूप का विरोध, कमजोर, शोषित और पीड़ित लोगों की आवाज बनना तथा समाज में मानवाधिकारों के संबंध में जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाना शामिल है। सचिव समीक्षा गौतम ने यह भी बताया कि यह दिवस लोगों को अपने अधिकारों के साथ-साथ दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म, लिंग,भाषा या किसी अन्य आधार पर किया गया भेदभाव मानवाधिकारों के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। उन्होंने प्रत्येक बंदी से अपील की, कि वे मानवाधिकारों को अपने व्यवहार में उतारें और उनके संरक्षण के लिए मिलकर प्रयास करें। मानवाधिकार दिवस मनाये जाने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति अन्याय, शोषण या अत्याचार का शिकार न हो। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों जैसे निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता का अधिकार, गिरफ्तारी का कारण जानने का अधिकार, न्यायालय के समक्ष पेश होने का अधिकार, सजा की अवधि पूर्ण होने पर रिहाई का अधिकार, गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार, भोजन,पानी एवं चिकित्सकीय देखभाल का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल राधेश्याम योगी एवं अधिकार मित्र मगनलाल मीणा द्वारा भी मानवाधिकारों के संबंध में अवगत करवाया गया। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला कारागृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण कर उपाधीक्षक जिला कारागृह बिहारीलाल से कारागृह में बंदियों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं, कारागृह की साफ-सफाई, कारागृह के मरम्मत कार्य, बंदियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता, बंदियों के पास अधिवक्ता की उपलब्धता आदि के संबंध में जानकारी ली गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया गया

-महिलाओं के अधिकारों पर कानूनी जानकारी साझा की

सीकर (रॉयल पत्रिका)। फतेहपुर शेखावाटी कस्बे के पंचायत समिति सभागार में मंगलवार को बाल विकास विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बालिका सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और बालिका जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा। मंच से अतिथियों ने बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। ऑरेंज द वर्ल्ड: जनरेशन इक्वालिटी स्टैंड्स अगेंस्ट रेप की थीम पर किया गया। इस अवसर पर बालिका तथा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले साथिन, कार्यकर्ता, पत्रकार बंधुओं एव महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र काउंसलर को अध्यक्ष महोदया एवं आमंत्रित अथितियों द्वारा प्रतिक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समाज में बालिका सशक्तिकरण एवं बालिका जन्म को प्रोत्साहीत करने के उदेश्य से कार्यक्रम के दौरान बालिका जत्मोत्सव का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव में बालिकाओं से केक करवाकर उन्हे बेबी किट एवं मगउपहार स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा महिला सशक्तिरण का संदेश दिया गया साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा घरेलु हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम के बारे में उपस्थित आमजन के साथ चर्चा की एवं जानकारी दी। अध्यक्ष द्वारा उपस्थित प्रतिभागीयों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलवाई गई एवं संदेश दिया की समाज में किसी भी हालत में बाल विवाह को प्रोत्साही न किया जावे यदि किसी के भी संज्ञान में बाल विवाह की जानकारी आती है तो तुंरत 1098 या अपने नजदीकी सरकारी कार्यालय, जनप्रतिनिधि का सुचित करें। कार्यक्रम में बेटी बचाओं बेटी पढाओं हस्ताक्षर केम्पेन का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र सिंह, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिलीप सिंह, बाल विकास परीयोजना अधिकारी हरिकृष्ण, ब्लॉक पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता ताराचन्द जान्द, महिला पर्यवेक्षक सुनिता सैनी, मुकेश स्वामी, कृष्ण सिहं, प्यारे लाल उपस्थित रहें।

जिला कलक्टर ने किया "सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर सिट्रस" का दौरा

-सेंटर की उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने बुधवार को बूंदी रोड नान्ता स्थित उद्यान विभाग के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिट्रस (नींबू वर्गीय फल उत्कृष्टता केन्द्र) में चल रही परियोजनाओं व मॉडल प्लांटेशन का फील्ड भ्रमण किया। उन्होंने वहां चल रहे उद्यानिकी एवं नर्सरी विकास कार्यों, उन्नत तकनीकों, संरक्षित खेती तथा परियोजनाओं की जानकारी ली। समारिया ने नर्सरी यूनिट, हाई-टेक नर्सरी, पॉलीहाउस, शेडनेट व मिस्टी चेंबर का अवलोकन किया। उन्होंने पौध उत्पादन की तकनीकों, स्वचालित सिंचाई प्रणाली व रोग-कीट प्रबंधन की भी जानकारी ली। साथ ही, विभिन्न सब्जियों, फल पौधों तथा फूलों के उत्पादन क्षेत्र का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने सेंटर में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रिप, फर्टिगेशन, सेंसर्स, कीट जाल आदि के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले पौध उत्पादन पर विशेष ध्यान देने, किसानों को तकनीक अपनाने हेतु अधिक प्रशिक्षण व डेमो आयोजित करने, नर्सरी में रिकॉर्ड-कीपिंग, मॉनिटरिंग और गुणवत्ता मानक सुदृढ़ करने के

कलेक्टर समारिया ने सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के कार्यों की सराहना करते हुए इसे जिले में उन्नत उद्यानिकी का मॉडल बताया और सेंटर की उपलब्धियों को जिले स्तर पर व्यापक रूप से प्रचारित करने के निर्देश दिए। उद्यान विभाग के उपनिदेशक राशिद खान ने बताया कि संतरा उत्पादक कृषकों को नवीनतम जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से यह केंद्र वर्ष 2012-13 में स्थापित किया गया था। इस केंद्र पर इंडो-इजराइल तकनीक से नींबू वर्गीय पौधों की विभिन्न किस्में तैयार की जाती है और उद्यान विभाग की योजनाओं के तहत तैयार पौधे किसानों को उपलब्ध कराए जाते हैं। उद्यान विभाग के उपनिदेशक ने पौध गुणवत्ता सुधार एवं किसानों हेतु प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी। पौध गुणवत्ता बढ़ाने, उत्पादन क्षमता सुधारने तथा किसानों के हित में किए गए प्रयासों के बारे में बताया।

बारां रनर्स क्लब के धावकों ने जैसलमेर की बॉर्डर रन द हेल रन में शानदार प्रदर्शन कर रचा नया कीर्तिमान

बारां (रॉयल पत्रिका)। जैसलमेर के थार रेगिस्तान में आयोजित प्रतिष्ठित बॉर्डर रन द हेल रन इस वर्ष भी अपने चरम चुनौतियों और कठिन परिस्थितियों के लिए सुर्खियों में रही। यह रन देश की सबसे कठिन अल्ट्रा-एंड्योरेंस रेसों में से एक मानी जाती है, जहाँ प्रतिभागियों को तेज़ रेत के तूफानों, शुष्क हवाओं, तापमान के भारी उतार चढ़ाव और अंतहीन रेतीले मार्गों से होकर गुजरना पड़ता है।

इस रन का मार्ग भारत पाकिस्तान सीमाक्षेत्र के पास से होकर गुजरता है। इसलिए इसे द हेल रन नाम दिया गया है। क्योंकि यहाँ शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ मानसिक धैर्य और स्टील-जैसी इच्छाशक्ति की भी असली परीक्षा होती है। बारां रनर्स क्लब के अंकित खंडेलवाल ने बताया कि ऐसे कठिन वातावरण में बारां रनर्स क्लब के धावकों ने अपनी मजबूत तैयारी, अनुशासन और अटूट संकल्प के दम पर बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान आकर्षित किया। रेगिस्तान की कठिनाइयों के बावजूद सभी धावक अपनी दूरी को उत्कृष्ट समय में पूरा करने में सफल रहे, जिससे जिले का गौरव बढ़ा।

विपिन गोयंका ने 161 किमी की दुरी 27 घंटे में, नवनीत शर्मा ने 100 किमी 16 घंटे में, डॉ. संजय मीना ने 50 किमी 6 घंटे में, हेमन्त मेघवाल और अरविन्द ने 50 किमी 5 घंटे 30 मिनट मे सफलता पूर्वक पूर्ण की। इस वर्ष क्लब के धावकों द्वारा प्रदर्शित प्रदर्शन यह साबित करता है कि बारां जिला फिटनेस और एंड्योरेंस रनिंग के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। इन धावकों ने दिखाया कि यदि तैयारी सुनियोजित हो, लक्ष्य स्पष्ट हो और अनुशासन बरकरार रहे, तो रेगिस्तान जैसे कठिन मार्ग भी बाधा नहीं बनते। यह उपलब्धि न सिर्फ क्लब बल्कि पूरे जिले के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है। कई युवा धावकों को इससे रनिंग अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। बारां रनर्स क्लब का उद्देश्य जिले में रनिंग और फिटनेस कल्चर को फैलाना, युवा और वरिष्ठ दोनों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बारां की पहचान को मजबूत बनाना। ऐसे कठिन इवेंट्स के लिए धावकों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना बारां रनर्स क्लब इससे पहले भी कई राज्य और राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में हिस्सा लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुका है। यह उपलब्धि क्लब के सफर में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ती है।

सांसद राहुल कस्वा केन्द्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रिंग रोड़ निर्माण हेतु डीपीआर का कार्य अतिशीघ्र शुरू करवाया जाए। सादुलपुर में NH-709E से NH-52 वाया बहल सड़क बाईपास निर्माण हेतु डीपीआर का कार्य पूरा हो चुका है, अतः इसकी स्वीकृति जारी कर काम शुरू किया जाए। सीआर आई एफ के तहत्त तारानगर से रावतसर की नहरी रोड के नवनिर्माण की स्वीकृति जारी की जाए। संसदीय क्षेत्र में सेतु बंधन योजना के अंतर्गत चार ओवरब्रिज नोहर, गोगामेड़ी, सरदारशहर और सादुलपुर में स्वीकृत कर निर्माण कार्य शुरू करवाया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर सिध्दमुख मार्ग से लेकर तारानगर मार्ग तक सर्विस लेन निर्माण, रतनगढ़ में फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड निर्माण, राजलदेसर शहर में एक नया फ्लाईओवर निर्माण करवाया जाए। सादुलपुर में पिलानी ओवरब्रिज से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग-709ई (रड़वा ओवरब्रिज) तक के शेष रहे भाग को फोरलेनिंग करने के बाद ही सार्वजनिक निर्माण विभाग को हैंडओवर किया जाए।

झुंझुनूं से बॉलीवुड हो या जयपुर का ज्वैलरी बिजनेस : हमारी बेटियां एंटरप्रेन्योर माइंडसेट से देश–विदेश में कर रहीं नाम रोशन

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी झुंझुनूं की एल्युमिनाई यंग एंटरप्रेन्योर मुंबई–जयपुर प्रवासी परिधि व खुशी पाटोदिया ने बुधवार को स्कूल कैंपस की विजिट की। उल्लेखनीय है कि ये दोनों बहनें इस स्कूल की स्टूडेंट्स रह चुकी हैं। दोनों ने नर्सरी से 12वीं तक की पढ़ाई इसी स्कूल से की है। दोनों कम उम्र में ही अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने में सफल हुई हैं। कैंपस विजिट से पहले स्कूल के स्टॉफ सदस्यों ने दोनों बहनों का स्वागत– सम्मान किया। ज्वेलरी डिजाइनिंग व मैन्युफैक्चरिंग में ग्रेजुएट परिधि पाटोदिया जयपुर में अपना स्वयं का सफल कारोबार कर रही हैं। उन्होंने स्कूल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूली जीवन में ही बच्चों को स्वरोजगार यानि खुद का व्यवसाय चुनने की ओर ध्यान देना चाहिए। बच्चों को स्टार्टअप से पहले माइंड सैट कर लेना चाहिए कि उन्हें रातों–रात अमीर बनने का सपना नहीं संजोना है। धीरे–धीरे अपने काम में कुशलता हासिल कर आगे बढ़ना चाहिए। इस सोच के साथ वे काम में लगेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। मुंबई में ऐश्वर्या राय, कृति शेनन, ऋषभ धनजानी आदि के साथ काम कर चुकी मेकअप आर्टिस्ट खुशी पाटोदिया ने एसेंबली में कहा कि जॉब और पैकेज के पीछे दौड़ने की बजाय खुद के कारोबार–व्यवसाय में जगह बनानी चाहिए। मोदी वर्ल्ड स्कूल से 12वीं पास करने के बाद होनहार खुशी ने मुंबई में कोरोना काल में लॉक डाउन के समय ऑनलाइन ग्रेजुएशन पूरी की। 2023 में मेकअप आर्टिस्ट का कोर्स किया और आज वह सेलेब्रेटीज के साथ काम कर रही है। चाहे फैशन शो हो या फिल्म फेस्टीवल का आयोजन, खुशी अपनी दक्षता के कारण अलग ही छाप छोड़ती है। दोनों बहनों ने स्कूल परिसर का अवलोकन कर यहां अपने स्टूडेंट लाइफ की यादें ताजा की। उन्होंने अपने–अपने उद्बोधन में स्टूडेंट्स को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए मोटीवेट किया और सफलता के टिप्स भी दिए। स्पेशल मॉर्निंग असेंबली में दोनों एंटरप्रेन्योर एल्युमिनाई और इनकी माताजी श्रीमती संगीता पाटोदिया का हॉस्टल डायरेक्टर कुरड़ा राम धींवा, प्रिंसीपल डॉ. रविशंकर शर्मा, वाइस प्रिंसिपल सरोज सिंह, प्रधानाचार्या उमा शर्मा, कमलेश कुलहरि, श्यामसुंदर शर्मा आदि ने अभिनंदन किया।

खाटूधाम में पालिका की बड़ी कार्रवाई, 40 बीघा जमीन पर चला सरकार का पंजा

सीकर (रॉयल पत्रिका)। सीकर जिले के खाटूधाम में नगर पालिका प्रशासन ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पालिका परिसर के सामने और गोल्डन वॉटर पार्क के पीछे लगभग 40 बीघा सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाया। उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर के निर्देश पर अधिशाषी अधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में टीम ने पीला पंजा चलाकर कब्जे ध्वस्त किए। कई जगह अतिक्रमणकारियों द्वारा फसल बोई गई थी, जिसे हटाकर भूमि मुक्त कराई गई। कार्रवाई के दौरान जेईएन संदीप गहलोत, एसआई विरेंद्र सिंह सहित पुलिस व पालिका कार्मिक मौजूद रहे। प्रशासन ने कहा कि भूमि मुक्त होने से पार्किंग, यात्री सुविधाएं और भक्तों के लिए व्यवस्थाओं में सुधार होगा।

जयपुर रोड पर सख्त कार्रवाई: अस्थाई अतिक्रमण हटाऐं, अवैध होर्डिंग्स जब्त

सीकर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने बताया कि नगर परिषद सीकर के अतिक्रमण प्रभारी एवं राजस्व अधिकारी प्रमोद सोनी के नेतृत्व में प्रवर्तन दस्ता द्वारा जयपुर रोड़ कृषि मंडी से गोकुलपुरा तिराहे तक सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से लगाए गए रेहड़ी–ठेलों एवं अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया तथा नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ तत्काल चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों ओर लगे अवैध होर्डिंग्स, फ्लेक्स और विज्ञापन बोर्ड्स को जब्त किया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हुई और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिली। नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा ने कहा कि फुटपाथ आमजन की सुविधा के लिए हैं, व्यापार के लिए नहीं। अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सीकर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। लोग कचरा खुले में न फेंकें, गीला व सूखा कचरा अलग-अलग डालें, कचरा कचरा गाड़ी में ही डालें और नगर परिषद के स्वच्छता अभियान को सफल बनाएं। नगर परिषद ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों पर भविष्य में भी सख्त कार्रवाई होगी।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के क्रम में जिला कलक्टर के निर्देशन तथा बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ओमप्रकाश तोषनीवाल के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन टीम द्वारा दो स्थानों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पहला कार्यक्रम रेलवे स्टेशन स्थित गुरूकुल विद्यालय में आयोजित किया गया, जहाँ पंडित दीक्षा ग्रहण कर रहे बटुकों को बाल विवाह निषेध से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने बटुकों को प्रेरित करते हुए कहा कि दीक्षा ग्रहण के उपरांत वे समाज को सही दिशा देते हुए किसी भी प्रकार के बाल विवाह का समर्थन न करें और इसे रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इसी क्रम में दूसरा जागरूकता कार्यक्रम किला रोड स्थित राजकीय पुरुषार्थी उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई और बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलवाई गई। टीम ने विद्यार्थियों को बताया कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है तथा किसी भी संदिग्ध घटना की तत्काल शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर की जा सकती है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि शिकायत करने वाले व्यक्ति की पहचान को पूरी तरह गोपनीय रखा जाता है। कार्यक्रम के दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से काउंसलर करण जीनवाल, केस वर्कर सीमा राजोरा, इरफान शोरगर उपस्थित रहे। विद्यालय पक्ष से प्रिंसिपल डॉ. पीयूष भटनागर, वाइस प्रिंसिपल संजय पंचोली, रेखा पानेरी, तथा गुरूकुल कार्यक्रम में आचार्य ब्रजकिशोर सिंह, कैलाश कौशल आदि उपस्थित थे।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ई-केवाईसी एवं फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य

बारां (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से विद्यार्थियों द्वारा ओटीआर किया जाना अनिवार्य है। विभागीय छात्रवृत्ति योजना में आवेदन करने से पूर्व विद्यार्थी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल की वेबसाइट अथवा एनएसपी ओटीआर ऐप के माध्यम से ओटीआर (वन टाईम रजिस्ट्रेशन) कर सकते है। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी शुभम नागर ने बताया कि विद्यार्थियों को ओटीआर की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए एनएसपी ओटीआर ऐप एवं आधार आरडी ऐप डाउनलोड कर ई-केवाईसी एवं फेस ऑथेंटिकेशन किया जाना अनिवार्य है।

18 की उम्र में मिस एशिया पैसिफिक, 20 में एक्टिंग डेब्यू

दीया की अनूठी जिंदगी

दीया मिर्जा ने 20 साल की उम्र में मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्हें असली पहचान 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली। दीया न केवल एक सफल और खूबसूरत अभिनेत्री हैं, बल्कि पर्यावरण प्रेमी और सोशल वर्कर भी हैं। साल 2000 से अब तक उनका सफर सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अच्छे कामों का भी रहा है। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं. जब दीया साढ़े चार साल की थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए. अभिनेत्री ने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की. कॉलेज के दिनों में ही दीया ने एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू की थी। इसी दौरान उन्होंने कई बड़े ब्रांड्स के लिए प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग की। दीया ने साल 2000 में मिस इंडिया में हिस्सा लिया और रनर-अप बनीं. इसके बाद, उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया। एक की रिपोर्ट के अनुसार, उस वक्त सिर्फ 18 साल की दीया ने खूब सफलता पाई. बॉलीवुड में उन्हें फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से पहला ब्रेक मिला. 2001 में आई इस फिल्म में दीया की सादगी, गंभीरता और खूबसूरती को दर्शकों ने खूब पसंद किया

शाहरुख खान न्यूयॉर्क टाइम्स की 67 सबसे स्टाइलिश लोगों की सूची में शामिल

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा जारी 2025 के 67 सबसे स्टाइलिश लोगों की सूची में जगह बनाई है। अन्य मशहूर हस्तियों में सबरीना कारपेंटर, डोएची, विवियन विल्सन, निकोल शेर्ज़िंगर, वाल्टन गोगिंस, जेनिफर लॉरेंस और कोल एस्कोला शामिल हैं। शाहरुख को इस साल की शुरुआत में मेट गाला में उनकी आकर्षक उपस्थिति के लिए यह पहचान मिली, जहां उन्होंने प्रसिद्ध डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी द्वारा डिजाइन किया गया परिधान पहना था। सूची में शामिल दिग्गज अभिनेता के बारे में लिखा गया है, अपने बेशुमार प्रशंसकों में शाहरुख के नाम से मशहूर, बॉलीवुड के सबसे बड़े स्टार और दुनिया के सबसे मशहूर अभिनेताओं में से एक शाहरुख मेट गाला में पहली बार मेहमान बनकर आए, जहां उन्होंने सब्यसाची मुखर्जी द्वारा डिजाइन किया गया परिधान पहना। शाहरुख अपनी बेटी सुहाना खान और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगे।

बॉक्स ऑफिस पर 'तेरे इश्क में' ने 11वें दिन भी 'धुरंधर' को दिखाई अपनी अकड़

धनुष को मिली पहली 100 करोड़ी फिल्म

धनुष और कृति सेनन की 'तेरे इश्क में' की दाद देनी पड़ेगी। बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' की आंधी में भी इस फिल्म ने अपनी पकड़ मजबूत बना रखी है। 11वें दिन भी इसने करोड़ों में कारोबार किया है। धनुष और उनके करियर की पहली 100 करोड़ी फिल्म भी मिल गई है। बॉक्स ऑफिस पर एक ओर जहां रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना की 'धुरंधर' कमाई की आंधी लेकर आई है, वहीं धनुष और कृति सेनन की 'तेरे इश्क में' भी झुकने का नाम नहीं ले रही। शुक्रवार को 'धुरंधर' के रिलीज होते ही 'तेरे इश्क में' के स्क्रीन्स कम हो गए हैं। बावजूद इसके एकतरफा मोहब्बत की इस कहानी को लेकर दर्शकों का रोमांच बना हुआ है। रिलीज के 11वें दिन सोमवार को भी डायरेक्टर आनंद एल राय की इस फिल्म के शोज में औसतन 17.03% सीटों पर दर्शक नजर आए हैं। शाम और रात के शोज में दर्शकों की ऑक्यूपेंसी बढ़कर 20.60% तक रही है। दिलचस्प बात यह है कि 'तेरे इश्क में' देश में धनुष की पहली 100 करोड़ी फिल्म भी बन गई है। जबकि वर्ल्डवाइड यह 150 करोड़ की ओर बढ़ रही है।

प्रेम चोपड़ा गंभीर हृदय रोग से पीड़ित अब बेहतर महसूस कर रहे हैं शरमन जोशी

अभिनेता शरमन जोशी ने बताया कि दिग्गज अभिनेता और उनके ससुर प्रेम चोपड़ा गंभीर एओर्टिक स्टेनोसिस से पीड़ित हैं और उन्होंने सुचारू उपचार के लिए चिकित्सकों की प्रशंसा की। मेयो क्लिनिक की परिभाषा के अनुसार, एओर्टिक स्टेनोसिस हृदय वाल्व रोग का एक प्रकार है, जिसे वॉल्व्युलर हृदय रोग भी कहा जाता है। एओर्टिक वाल्व स्टेनोसिस में वाल्व संकरा हो जाता है और पूरी तरह खुल नहीं पाता। इससे हृदय से धमनी और फिर शरीर के बाकी हिस्सों में जाने वाले रक्त प्रवाह में कमी या रुकावट आ जाती है। 3 इडियट्स , रंग दे बसंती और गोलमाल में अपनी भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले जोशी ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई तस्वीरें साझा कीं और चिकित्सकों को धन्यवाद दिया।उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, अपने परिवार की ओर से, मैं अपने ससुर प्रेम चोपड़ा को प्रतिष्ठित हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन गोखले और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. रविंदर सिंह राव से मिले अनुकरणीय उपचार के लिए हार्दिक आभार देता हूं और उनकी प्रशंसा करना चाहता हूं।

रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में कार्तिक आर्यन का बड़ा खुलासा

शुरुआत में 'भूल भुलैया' फ्रैंचाइज़ी के लिए कहा था 'ना'

सऊदी अरब में आयोजित रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में कार्तिक आर्यन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने दुनिया भर के दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ बातचीत की। उनकी मौजूदगी ने ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती पहचान को और मज़बूत किया। सेशन के दौरान कार्तिक ने खुलासा किया कि शुरुआत में उन्होंने 'भूल भुलैया' फ़्रैंचाइज़ी को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, 'जब यह फ़िल्म पहली बार मेरे पास आई, तब कोई कहानी नहीं थी, सिर्फ़ एक सीक्वल का आइडिया था। मैं उत्साहित नहीं था। लेकिन भूषण कुमार सर ने मुझे समझाया, फिर हम सबने मिलकर उस पर काम किया और सब कुछ बदल गया। आज मैं जहाँ भी जाता हूँ, बच्चे मुझे 'रूह बाबा' कहकर बुलाते हैं। मुझे ख़ुशी है कि मैंने यह फ़िल्म की।' 'भूल भुलैया 2' और उसके बाद 'भूल भुलैया 3' कार्तिक के करियर में मील के पत्थर साबित हुईं। खासकर 'भूल भुलैया 2', जिसने पोस्ट-कोविड दौर में थिएटरों में बड़ी सफलता हासिल की, दर्शकों को फिर से बड़े पर्दे की तरफ खींचा और कार्तिक की बॉक्स ऑफिस पकड़ को मज़बूती से स्थापित किया। रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में किए गए इस खुलासे ने न सिर्फ़ उनके फ़्रैंचाइज़ी से जुड़े सफ़र की झलक दिखाई, बल्कि उनके वैश्विक प्रभाव को भी रेखांकित किया, जो उन्हें बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बनाता है।

आशीष चंचलानी ने मनाया अपना जन्मदिन 'एकाकी' की स्टार-स्टडेड स्क्रीनिंग में पहुंचे अर्जुन कपूर, नील नितिन मुकेश, अरहान खान और कई अन्य सेलिब्रिटीज

डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में सबसे बड़े और प्रमुख नामों में से एक, आशीष चंचलानी इन दिनों अपनी ज़िंदगी के सबसे खास पलों का आनंद ले रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी सीरीज़ एकाकी के साथ निर्देशन में डेब्यू किया है। शो ने शुरुआत से ही खूब चर्चा बटोरी है, और इसके पहले दो एपिसोड दर्शकों के बीच काफी पसंद किए जा रहे हैं। अपने जन्मदिन का जश्न मनाते हुए आशीष ने एकाकी की एक खास स्क्रीनिंग आयोजित की, जिसमें दूसरा एपिसोड भी रिलीज़ किया गया। यह शाम एक स्टार-स्टडेड इवेंट में बदल गई, जहाँ कई मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। बॉलीवुड और डिजिटल जगत के कई बड़े नाम आशीष के इस खास मौके का हिस्सा बनने पहुंचे। अर्जुन कपूर, अरहान खान, नील नितिन मुकेश, समय रैना, ज़ीशान सिद्धीक़ी, आरजे महविश, एली अवराम, प्रज्ञा जायसवाल, रणवीर अल्लाहबादिया, बियूनिक, अर्जुन कानूंगो और कार्ला डेनी, आवेज़ दरबार, नगमा मिराजकर, आयुष मेहरा, कैरीमिनाटी, जस्टनीलथिंग्स, हर्ष बेनीवाल, चाँदनी मिमिक और यशराज मुखाते सहित कई अन्य प्रसिद्ध चेहरे इस खास स्क्रीनिंग में शामिल हुए। ईवेंट बेहद गर्मजोशी और उत्साह से भरपूर रहा, जिसने दिखाया कि आशीष को इंडस्ट्री में कितना प्यार और समर्थन मिलता है। आशीष एक युवा कंटेंट क्रिएटर से बढ़ते-बढ़ते हर घर में पहचाने जाने वाले नाम बन चुके हैं। अपनी तेज़-तर्रार हास्य शैली, निरंतर मेहनत और समर्पण के चलते उन्होंने पूरे देश में एक विशाल फैनबेस बनाया है। उनका नया प्रोजेक्ट एकाकी एक हॉरर-कॉमेडी थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, डर और हाज़िरजवाबी का बढ़िया मिश्रण है–जो उनकी कॉमिक टाइमिंग और कहानी कहने की शैली के बिल्कुल अनुरूप है। अपने सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट एकाकी में आशीष ने लेखक, निर्देशक, निर्माता और अभिनेता–इन चारों भूमिकाओं को निभाते हुए अपनी पूरी रचनात्मक दृष्टि को साकार किया है। एकाकी एक मज़बूत क्रिएटिव टीम का संगम है, जिसका नेतृत्व खुद आशीष चंचलानी कर रहे हैं। उनके साथ लंबे समय से जुड़े साथी इस सीरीज़ की रीढ़ बनते हैं। कुणाल छाबरिया को-प्रोड्यूसर की भूमिका में हैं, जबकि आकाश दोडेजा पैरेलल लीड निभा रहे हैं। जशन सिरवानी एक्सिक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं, और तनिष सिरवानी शो की क्रिएटिव डायरेक्शन संभाल रहे हैं। ग्रिशिम नवानी ने स्क्रीनप्ले को सह-लेखा है, और रितेश सधवानी लाइन प्रोड्यूसर के तौर पर प्रोजेक्ट को सहयोग दे रहे हैं। ताज़गी भरी और डूबो देने वाली कहानी पेश करते हुए, एकाकी का पहला एपिसोड 27 नवंबर 2025 को और दूसरा एपिसोड 8 दिसंबर को एसीवी स्टूडियोज़ के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ किया गया।

माथे पर शिकन, आंखों में ढेर सारे सवाल... वध 2 के पोस्टर पर छाए नीना गुप्ता–संजय मिश्रा, कब आएगी फिल्म?

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की वध 2 की रिलीज डेट से पर्दा उठ चुका है, जिसे जसपाल सिंह संधू ने डायरेक्ट किया है. 6 फरवरी 2026 को रिलीज होगी. IFFI 2025 में फिल्म को जबरदस्त सराहना मिली है। संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक बार फिर वध 2 के साथ लौट रहे हैं, जिसे जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है। साल 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में तेजी से जगह बना रही है। लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स के बैनर तले बनी यह स्पिरिचुअल सीक्वल, वध की आत्मा को बरकरार रखते हुए एक नई कहानी में इन दिग्गज कलाकारों को नए किरदारों में पेश करती है। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'कभी-कभी जो दिखता है, वही पूरी सच्चाई नहीं होता! फिल्म के रिलीज़ में अब सिर्फ दो महीने बचे हैं और इसी बीच मेकर्स ने वध 2 के नए पोस्टर्स जारी कर उत्सुकता और बढ़ा दी है, जो दर्शकों के लिए एक खास तोहफा बनकर आए हैं. दमदार लीड जोड़ी को दर्शाते इन आकर्षक पोस्टर्स ने दर्शकों को एक प्रभावशाली सिनेमाई अनुभव का अहसास पहले से ही करा दिया है।

'कुमकुम भाग्य' जीशान खान का एक्सीडेंट बाल-बाल बची जान

'नागिन' और 'कुमकुम भाग्य' के एक्टर जीशान खान का सोमवार रात को कार एक्सीडेंट हो गया. राहत की बात यह है कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई, हालांकि गाड़ियों को नुकसान हुआ है. यह हादसा रात 8:30 बजे हुआ, जब जीशान जिम से घर लौट रहे थे. उसी समय सामने से आ रही गाड़ी से उनकी कार टकरा गई. दूसरी गाड़ी में एक बुजुर्ग दंपत्ति बैठे हुए थे. राहत की बात यह है कि इस एक्सीडेंट में किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन दोनों गाड़ियों को थोड़ा नुकसान पहुंचा है। इस एक्सीडेंट के बाद जीशान ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है. हालांकि अभी ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं किया है. वहीं जीशान ने भी कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया है। जीशान खान छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता हैं और रियलिटी शोज और म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुके हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2015 में टीवी सीरियल 'कुछ तो है तेरे मेरे दरमियान' से की थी. इसके बाद वे 'परवरिश-2', 'कुमकुम भाग्य', 'नागिन' और 'बागिन' में नजर आए थे. वह रियलिटी शो 'लॉक-अप' में भी नजर आ चुके हैं, जहां उन्होंने अपनी बेबाकी और ईमानदार रवैये से सुर्खियां बटोरी थीं. जीशान टीवी शोज से थोड़ा दूर हैं और म्यूजिक वीडियोज में काम कर रहे हैं.

अदालत ने फिल्मकार विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

यहां की एक अदालत ने 30 करोड़ रुपए से ज़्यादा की कथित धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार फिल्मकार विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को मंगलवार को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने इस दंपति को सात दिसंबर को मुंबई से गिरफ्तार किया था और वह इन्हें सोमवार देर रात उदयपुर लाई। दोनों को मंगलवार दोपहर यहां की एक अदालत में पेश किया गया। लोक अभियोजक ने कहा कि पुलिस ने अदालत में दलील दी कि भट्ट के मुंबई कार्यालय से बिल, दूसरे दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद करने हैं। इसके आधार पर अदालत ने भट्ट और उनकी पत्नी को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। उन्हें 16 दिसंबर को फिर अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस उपाधीक्षक छगन राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम मुंबई गई और सात दिसंबर को भट्ट व उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर उदयपुर लाया गया। उल्लेखनीय है कि यह गिरफ्तारी डॉ. अजय मुर्डिया द्वारा दर्ज करवाई गई प्राथमिकी के आधार पर की गई है। मुर्डिया ने भट्ट दंपति और छह अन्य लोगों पर उनकी दिवंगत पत्नी पर बायोपिक समेत कई फिल्में बनाने के बहाने 30 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने का आरोप लगाया था। उन्होंने प्राथमिकी में कहा कि वह एक संगीत समूह के माध्यम से दिनेश कटारिया के संपर्क में आए, जिसने दावा किया कि उसके मुंबई फिल्म उद्योग में अच्छे संबंध हैं। वह अप्रैल 2024 में मुंबई के एक स्टूडियो गए, जहां कटारिया ने उनका परिचय भट्ट से कराया।

(साभार एजेंसी)

बीसीसीआई की नाक के नीचे बड़ा घोटाला

पैसा दो, टीम में घुसो, असली टैलेंट बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट दुनिया में सबसे ताकतवर कहलाता है, कड़ी प्रतिस्पर्धा, विशाल टैलेंट पूल, आईपीएल जैसी लीग और कठोर चयन प्रक्रिया इसकी पहचान है। खिलाड़ियों का भरोसा इसी बात पर टिका है कि सिस्टम निष्पक्ष है, लेकिन पुडुचेरी में यह पूरा उलट चुका है।

यहां पते बनाए जाते हैं। फर्जी पते पर खिलाड़ियों के आधार कार्ड बनते हैं। एक समानांतर चयन प्रक्रिया काम करती है और यह सब कुछ क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पांडिचेरी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की नाक के नीचे चल रहा है। द इंडियन एक्सप्रेस की तीन महीने की जांच में ऐसे कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में 2,000 से ज्यादा खिलाड़ियों के फार्म चेक किए गए, दर्जनों खिलाड़ियों से बात हुई और कई पतों की मौके पर जांच की गई। पता चला कि, 1.2 लाख रुपये लेकर खिलाड़ियों को 'स्थानीय खिलाड़ी' बनाया जाता है। कोच और निजी क्रिकेट अकादमियां खिलाड़ियों को फर्जी एड्रेस, बैकडेट से कॉलेज में दाखिला और नकली जॉब रिकॉर्ड उपलब्ध कराती हैं। बीसीसीआई का जरूरी एक साल का निवास प्रमाणपत्र कागजों में पूरा कर दिया जाता है। फिर इन खिलाड़ियों को सीएपी की टीमों में सीधा रास्ता मिल जाता है।

1.2 लाख में बन रहे 'लोकल' खिलाड़ी!

'फीस दो, लोकल बनो': ऐसे चलता है पूरा खेल

बाहरी राज्यों के क्रिकेटरों को बीसीसीआई की अनिवार्य एक साल की निवास आवश्यकता को दरकिनार करने और 'स्थानीय' बनने के लिए 1.2 लाख रुपए या उससे अधिक के 'पैकेज' का भुगतान करना पड़ता है। निजी क्रिकेट अकादमियों के कोच की मदद से निवास प्रमाण पत्र बेचे जा रहे हैं। इसमें फर्जी आधार कार्ड पते, पिछली तारीखों से शैक्षिक संस्थानों में दाखिले या नकली नौकरी रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। पैसे देने वाले खिलाड़ियों को पुडुचेरी क्रिकेट एसोसिएशनकी टीमों में तुरंत जगह मिल रही है, जिससे उन्हें रणजी ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलता है।

बड़े बच्चे रिटायर होकर पीएसएल खेलते हैं, इस पाकिस्तानी को किया आईपीएल की बुराई पर ट्रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट कप्तान वसीम अकरम पड़ोसी देश के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिनके फैंस भारत में भी आपको जमकर मिल जाएंगे। अकरम उन चुनिंदा पाकिस्तानी क्रिकेटरों में भी शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय तक इंडियन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने का मौका मिला है। अकरम पहले इस लीग में कोच की भूमिका में जुड़े रहे और पिछले कुछ साल में कमेंटेटर के तौर पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग से कमाई करने का मौका मिला है। इसके बावजूद अकरम ने एक ऐसा काम कर दिया है, जिसके चलते उन्हें सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट फैंस के मजाक और गुस्से का सामना करना पड़ा है। दरअसल अकरम ने पाकिस्तान सुपर लीग को आईपीएल के मुकाबले नंबर-1 लीग बता दिया है। अकरम ने पाकिस्तान में एक कार्यक्रम के दौरान आईपीएल की बुराई करते हुए पीएसएल को नंबर-1 लीग बताया है। अकरम ने पीएसएल के प्रमोशन से जुड़े इवेंट में पीएसएल के लिए कहा,'बच्चे बड़े हो जाते हैं, वो लीग खत्म ही नहीं होती।' अकरम के इसी कमेंट को लेकर क्रिकेट फैंस ने उन्हें ट्रोल करते हुए कहा है कि बच्चे बड़े होकर रिटायर हो जाते हैं और फिर वे पीएसएल में खेलने लगते हैं। इसके अलावा कई फैंस ने अकरम को 'जिस थाली में खाया, उसी में छेद किया' वाली कहावत कहकर भी बुरा-भला कह रहे हैं।

एशेज: एडिलेड टेस्ट में कमिंस की वापसी तय, जोश हेजलवुड सीरीज से बाहर

एडिलेड, एजेंसी। एशेज 2025-26 में 2-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में 17 दिसंबर से शुरू हो रहे सीरीज के तीसरे टेस्ट से पहले बड़ी खुशखबरी मिली है। पैट कमिंस को पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है। वहीं तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें रिकवरी में समय लगेगा। अब वह टी20 विश्व कप तक पूरी तरह फिट होने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं। बदकिस्मती से, जोश एशेज का हिस्सा नहीं होंगे। इंजरी की वजह से वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। हम उनसे इस सीरीज में अहम योगदान की उम्मीद थी। अब वह टी20 विश्व कप की तैयारी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'पैट कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। बेशक उन्होंने जुलाई से क्रिकेट नहीं खेली है, लेकिन वह तैयार हैं। सेलेक्टर्स उन्हें ब्रिस्बेन में चुनने के बहुत करीब थे। उनके पास मैच का मौका नहीं होगा। ऐसा कमिंस के साथ पहले भी हो चुका है। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए हमें लगता है कि वह तैयार हैं। हेड कोच ने कहा कि पीठ दर्द की वजह से पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है, लेकिन उन्हें मध्यक्रम में बल्लेबाजी करनी होगी। पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन बतौर ओपनर अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को पिछले दो टेस्ट मैचों की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला, लेकिन अगले तीन टेस्ट मैचों में उनकी भूमिका बहुत अहम होगी। लियोन पिछले 13 साल में पहली बार घरेलू टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पाए।

द ग्रेट खली 8 साल बाद करेंगे रिंग में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के पहले भारतीय सुपरस्टार द ग्रेट खली आठ साल के लंबे ब्रेक के बाद एक बार फिर से रिंग में वापसी करने वाले हैं. द ग्रेट खली ने साल 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के जजमेंट डे में डेब्यू किया था और डब्ल्यूडब्ल्यूई में आते ही अपने पहले मैच में द अंडरटेकर को हराकर तहलका मचा दिया था. 7 फीट 1 इंच लंबे इस दिग्गज रेसलर ने साल 2007 में डब्ल्यूडब्ल्यूई की वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती थी. यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि द ग्रेट खली 8 साल बाद रिंग में कब और कहां वापसी करने वाले हैं.

डब्ल्यूडब्ल्यूई में कैसा रहा द ग्रेट खली का सफर: भारत के पहले सुपरस्टार द ग्रेट खली का डब्ल्यूडब्ल्यूई में सफर शानदार रहा. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने पहले ही मैच से सुर्खिया बटोरने वाले द ग्रेट खली ने रॉ में ड्राफ्ट होने के बाद केन को रेसलमेनिया 23 में हराया था. इसके बाद, उन्होंने उस समय के वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन जॉन सीना के साथ भी मुकाबला किया.

द ग्रेट खली ने वापसी की घोषणा

'ग्रेटेस्ट रॉयल रंबल' में देखा गया था. अब, उनकी अकादमी सीडब्ल्यूई ने सोशल मीडिया पर उनकी रिंग में वापसी की ऐलान किया है. द ग्रेट खली जनवरी 2026 में सीडब्ल्यूई के साथ वापसी करते हुए पार्कर बोरदॉ का सामना करेंगे, जो डब्ल्यडब्ल्यूई और एईडब्ल्यू दोनों के लिए रेसलिंग कर चुके हैं. द ग्रेट खली और पार्कर बोरदॉ के बीच ये मुकाबला भारतीय रेसलिंग फैंस के लिए एक बड़ा उत्साहजनक होगा.

द ग्रेट खली ने रॉ में जून 2007 में 20 मैन रॉयल बैटल मैच को जीतकर पहली बार और एकमात्र वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप जीती, लेकिन वो सिर्फ तीन महीने तक ही टाइटल को अपने पास रख पाए थे. डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपने करियर के दौरान खली ने पंजाबी प्लेबॉय जैसे मजेदार किरदारों में भी पहचान बनाई. द ग्रेट खली का नवंबर 2014 में डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो गया, जिसके बाद उन्होंने ये कंपनी छोड़ दी थी.

द ग्रेट खली ने सीडब्ल्यूई की स्थापना: कंपनी छोड़ने के बाद, भारत में प्रो-रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए द ग्रेट खली ने फैसला किया और इसी सोच के साथ उन्होंने 2015 में कॉन्टिनेंटल रेसलिंग एंटरटेनमेंट की स्थापना की. पंजाब के जालंधर शहर में स्थित सीडब्ल्यूई अकादमी ने कई प्रतिभाओं को तराशा है, जिनमें डब्ल्यूडब्ल्यूई की पहली भारतीय महिला रेसलर कविता देवी और दिलशेर शंकी जैसे नाम शामिल हैं और इन दोनों रेसलर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी जगह बनाई है. वहीं, साल 2021 में द ग्रेट खली को डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था.

मंगेतर ट्रैविस केल्स का मैच देखने पहुंचीं टेलर स्विफ्ट, साथ में दिखीं सेलेना गोमेज

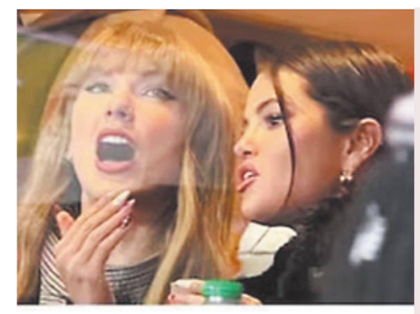

न्यूयॉर्क, एजेंसी। टेलर और सेलेना की यह उपस्थिति सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि उनके रिश्ते की मजबूती का नया उदाहरण है। चाहे म्यूजिक, लाइफ या बड़े सेलिब्रेशन, दोनों हमेशा एक-दूसरे का साथ निभाती आई हैं। अमेरिकी पॉप वर्ल्ड की दो सबसे बड़ी हस्तियां, टेलर स्विफ्ट और सेलेना गोमेज, एक बार फिर चर्चा में हैं।

अपनी गहरी दोस्ती और एक-दूसरे का साथ निभाने के लिए जानी जाने वाली यह जोड़ी हाल ही में कैनसस सिटी चीफ्स और ह्यूस्टन टेक्सन्स के बीच हुए एनएफएल मैच (अमेरिकन फुटबॉल मैच) में साथ नजर आई। यह मुकाबला इसलिए भी खास था क्योंकि स्विफ्ट के मंगेतर ट्रैविस केल्स चीफ्स टीम के स्टार खिलाड़ी हैं।

पहली बार चीफ्स गेम में पहुंचीं सेलेना गोमेज

सेलेना और स्विफ्ट को ऐरोहेड स्टेडियम में मैच का आनंद लेते देखा गया। जहां टेलर पांचवीं बार चीफ्स का मैच देखने पहुंचीं, वहीं सेलेना पहली बार स्टेडियम में नजर आईं। उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई। एक यूजर ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'मेरे माता-पिता टेलर स्विफ्ट के बगल में बैठे हैं। अविश्वसनीय!' कुछ तस्वीरें धुंधली जरूर थीं, लेकिन फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ। कई पोस्ट में दोनों को साथ बैठकर मैच का आनंद लेते देखा गया।

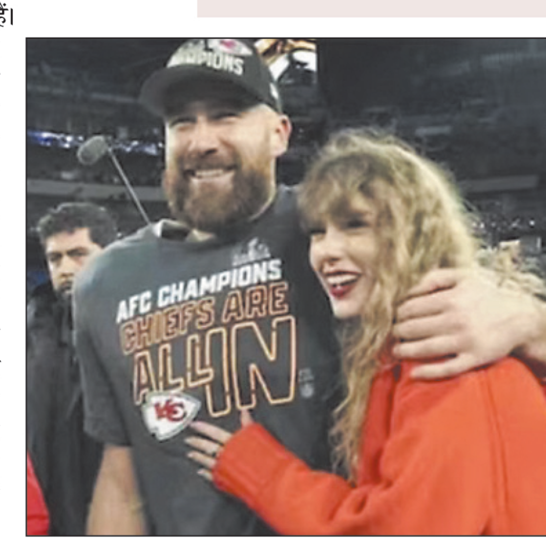

शाहिद अफ्रीदी ने गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लिया, रोहित-विराट की तारीफों के बांधे पुल

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफ्रीदी ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेट पर बड़ा और विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस बार उन्होंने भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सीधे निशाने पर लेते हुए उनकी रणनीति पर सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही अफ्रीदी ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि यह दोनों दिग्गज न सिर्फ भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ की हड्डी हैं, बल्कि 2027 ओडीआई वर्ल्ड कप तक टीम के लिए अत्यंत जरूरी रहेंगे। अफ्रीदी ने रोहित के रिकॉर्ड को तोड़ने पर भी प्रसन्नता जताई और दोनों खिलाड़ियों के महत्व को रेखांकित किया।

कोहली और रोहित भारतीय ओडीआई टीम की असली ताकत

अफ्रीदी ने स्पष्ट कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा दुनिया के सबसे भरोसेमंद ओडीआई बल्लेबाजों में शुमार हैं। उन्होंने बताया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया सीरीज में जिस तरह इन दोनों ने टीम को मजबूत शुरुआत दी, उससे साफ है कि उनकी फॉर्म और फिटनेस अभी भी उच्च स्तर पर है।

अफ्रीदी ने कहा, 'विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी की बैकबोन हैं। उनके प्रदर्शन से जाहिर है कि वे 2027 वर्ल्ड कप तक आराम से खेल सकते हैं और टीम को मजबूती देते रहेंगे। '

कमजोर टीमों के खिलाफ मिल सकता है आराम

अपनी राय को और स्पष्ट करते हुए अफ्रीदी ने कहा कि भारत को शीर्ष टीमों और बड़े टूर्नामेंट में कोहली व रोहित जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को हमेशा प्लेइंग इलेवन में रखना चाहिए। लेकिन अगर भारत कमज़ोर टीमों के खिलाफ खेलता है, तो रोटेशन पॉलिसी के तहत इन दिग्गजों को विश्राम दिया जा सकता है ताकि नए खिलाड़ियों को भी मौके मिलते रहें। उनके अनुसार, 'बड़े मैचों में यह दोनों ही टीम की सबसे बड़ी मजबूती हैं, लेकिन छोटे मुकाबलों में भारत युवा खिलाड़ियों को आजमा सकता है।

विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड 'वन8' बेच रहे हैं

● एजिलिटास में करेंगे 40 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स को बेच रहे हैं। एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। इसे अभिषेक गांगुली ने शुरू किया था।

विराट कोहली इस व्यापारिक समझौते के तहत एजिलिटास में एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। वह कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एजिलिटास में 40 करोड़ रुपये निवेश करेंगे। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में, कंपनी ने भारत की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली मोचिको शूज को खरीदा। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता मजबूत हुई थी। वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट कोहली इसके को-फाउंडर रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज तक फैला हुआ है। एजिलिटास की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, 'कोहली और गांगुली के बीच आपसी सहयोग पिछले कुछ सालों में बढ़ा है। कुछ वास्तविक उत्पादन के औपचारिक बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया जल्द ही वन8 के रूप में हमारे सामने आ गई।

कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास सिर्फ वन8 में निवेश करने का विकल्प था। उन्होंने उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और देश भर में कंपनी की वितरण क्षमता देखने के बाद एजिलिटास में शेयरधारक बनने का फैसला किया। विराट कोहली का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला रणनीतिक और दीर्घकालिक सोच पर आधारित है। इस अवसर पर विराट ने कहा, 'अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है।

एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, 'चलो करते हैं' और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस मेरे लिए सब कुछ डिफाइन करते हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट अप्रोच चाहता था। वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा, 'हम सब मिलकर भारत से एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बना रहे हैं, जो स्पोर्ट्स फंक्शनैलिटी, बेस्ट-इन-क्लास और क्वालिटी पर आधारित है। हमारा लक्ष्य अगले दशक में वैश्विक स्तर पर कुछ उद्देश्यपूर्ण बनाना है। '

युवराज सिंह ही नहीं, ये स्टार क्रिकेटर भी बेचते हैं शराब, करोड़ों में है कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह ने अपना लग्जरी टकीला ब्रांड फिनो भारत में लॉन्च कर दिया है. इस दौरान लॉन्च इवेंट में भारत के कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए. उनसे पहले कई क्रिकेटर इस बाजार में उतर चुके हैं.

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली. भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी युवराज सिंह अब स्पिरिट्स की दुनिया में धमाल मचाने को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अल्ट्रा-प्रिमियम टकीला ब्रांड 'फिनो' को भारत में लॉन्च कर दिया है. गुरुग्राम में आयोजित एक लॉन्च इवेंट में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद कैफ जैसे सितारे शामिल हुए, जहां फिनो की पहली झलक देखने को मिली.

भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.भारत में फिनो हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र और चुनिंदा ड्यूटी-फ्री स्टोर्स (दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई) में उपलब्ध है. वहीं, शुरुआती कीमत करीब 14,000 रुपए के आसपास है. 'फिनो' का मतलब 'फेलियर इज नॉट एन ऑप्शन' युवराज के करियर से प्रेरित है.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

युवराज सिंह से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर इयन बॉथम, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और केविन पीटरसन जैसे खिलाड़ी भी शराब के कारोबार में उतर चुके हैं.

इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है. इयन बॉथम अब एक बड़ी वाइन कंपनी चलाते हैं. उन्होंने अपने वाइन के बिजनेस की शुरुआत साल 2018 में की थी. उनकी वाइन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसे देशों में बेची जाती है.

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग भी अब वाइन का बिजनेस करते हैं, जिसका नाम पॉन्टिंग वाइंस है. बता दें, उनकी कपंनी की ये वाइन ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं बल्कि भारत में भी मिलती है. बता दें, पॉन्टिंग तीन बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें से 2 बार उन्होंने बतौर कप्तान ट्रॉफी उठाई थी. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग भी अब वाइन का बिजनेस करते हैं, जिसका नाम पॉन्टिंग वाइंस है. बता दें, उनकी कपंनी की ये वाइन ऑस्ट्रेलिया में ही नहीं बल्कि भारत में भी मिलती है. बता दें, पॉन्टिंग तीन बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें से 2 बार उन्होंने बतौर कप्तान ट्रॉफी उठाई थी.इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी इस लिस्ट में शामिल हैं, जो वाइन के बिजनेस में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. जेम्स एंडरसन ने साल 2015 में अपना वाइन लेबल लॉन्च किया था. बता दें, उन्होंने पिछले साल ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. वह इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं. इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी इस लिस्ट में शामिल हैं, जो वाइन के बिजनेस में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. जेम्स एंडरसन ने साल 2015 में अपना वाइन लेबल लॉन्च किया था. बता दें, उन्होंने पिछले साल ही इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. वह इंग्लैंड के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं.

इंडिगो संकट पर सख़्त सरकार:

-जानबूझकर लापरवाही के संकेत, CEO और DGCA दोनों जांच के घेरे में

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो इन दिनों अपने अब तक के सबसे गंभीर परिचालन संकट से गुजर रही है। हज़ारों उड़ानों के रद्द होने, भारी देरी और यात्रियों को हुई अमानवीय असुविधा के बाद अब मामला केवल एयरलाइन तक सीमित नहीं रहा। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि इस संकट की जांच में DGCA (नागर विमानन महानिदेशालय) की भूमिका भी कठघरे में होगी। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कड़े शब्दों में कहा है कि यह फेलियर किसी सामान्य गड़बड़ी जैसा नहीं दिखता, बल्कि इसमें जानबूझकर लापरवाही के संकेत मिल रहे हैं। मंत्री नायडू ने एक इंटरव्यू में कहा कि यात्रियों को जो परेशानी झेलनी पड़ी है, उसके लिए वे स्वयं माफी मांगते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिम्मेदार लोगों पर सख़्त और उचित कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे एयरलाइन के भीतर हों या नियामक संस्था में।

DGCA भी जांच के घेरे में-

अब तक आमतौर पर किसी भी विमानन संकट में उंगलियां एयरलाइंस पर उठती थीं, लेकिन इस बार सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि DGCA भी जवाबदेही से बच नहीं सकता। मंत्री ने कहा कि अगर इंडिगो ने अपनी वास्तविक क्षमता से अधिक उड़ानों का शेड्यूल फाइल किया, तो उसे अनुमति किस आधार पर दी गई? DGCA की निगरानी, आकलन और अनुमोदन प्रक्रिया में क्या चूक हुई—यह भी जांच का अहम हिस्सा होगा। नायडू के अनुसार, "हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर ऐसा संकट उसी समय क्यों पैदा हुआ, जब सभी को सर्दियों में परिचालन दबाव का अंदाज़ा रहता है। यदि ऑपरेशंस जारी थे, तो हालात इतने नियंत्रण से बाहर कैसे हो गए?"

CEO पर भी गाज गिर सकती है-

इंडिगो के CEO को हटाए जाने के सवाल पर मंत्री ने कोई नरमी नहीं दिखाई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जरूरत पड़ी तो CEO को भी हटाया जाएगा। उन्होंने इसे संकेत माना कि सरकार इस मामले को सिर्फ 'मैनेजमेंट की चूक' कहकर छोड़ने के मूड में नहीं है। मंत्री नायडू ने अपनी व्यक्तिगत चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि वे पिछले सात दिनों से लगातार समीक्षा बैठकों में लगे हैं, ठीक से सो भी नहीं पाए, क्योंकि इस समय सरकार का पूरा फोकस सिर्फ यात्रियों की परेशानी कम करने पर है। यह बयान बताता है कि संकट की गंभीरता को सरकार ने कितनी ऊंची प्राथमिकता दी है।

असली जड़: क्षमता और शेड्यूल का अंतर-

DGCA की प्रारंभिक जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे काफी चौंकाने वाले हैं। नियामक के मुताबिक, इंडिगो ने अपनी ऑपरेटिंग क्षमता को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। इंडिगो ने दावा किया कि उसके पास 403 विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि अक्टूबर में केवल 339 और नवंबर में 344 विमान ही उड़ान भर सके। इसके बावजूद कंपनी ने विंटर शेड्यूल में 6 प्रतिशत ज्यादा उड़ानों की अनुमति ले ली। नवंबर महीने में इंडिगो का कुल शेड्यूल 64,346 उड़ानों का था, लेकिन इनमें से 59,438 उड़ानें ही ऑपरेट हो पाईं। यानी करीब 4,900 उड़ानें रद्द या बाधित रहीं। यह अंतर महज़ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ा—भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट, घंटों की देरी, आखिरी वक्त पर कैंसिलेशन और वैकल्पिक व्यवस्था का अभाव।

सर्दियों में क्यों बढ़ा जोखिम?-

DGCA ने यह भी माना कि सर्दियों का मौसम विमानन सेक्टर के लिए पहले से ही चुनौतीपूर्ण होता है—कोहरा, कम दृश्यता और टाइम-टेबल पर अतिरिक्त दबाव। इसके बावजूद इंडिगो ने पिछले साल के मुकाबले 9.66 प्रतिशत ज्यादा उड़ानें ले लीं। जब एयरलाइन के पास न पर्याप्त विमान थे, न पर्याप्त बैकअप और न ही पर्याप्त क्रू, तो यह साफ है कि सिस्टम पर अनावश्यक बोझ डाला गया। विशेषज्ञों का मानना है कि यहीं से संकट की श्रृंखला शुरू हुई।

सिर्फ तकनीकी चूक नहीं, कॉर्पोरेट सोच का सवाल-

सरकार के बयान यह संकेत देते हैं कि मामला केवल तकनीकी या लॉजिस्टिक फेलियर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे कॉर्पोरेट लालच और रेगुलेटरी कमजोरी की भी भूमिका हो सकती है। लगातार विस्तार, बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ और लाभ को सर्वोपरि रखने की सोच ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को पीछे धकेल दिया।

गोवा क्लब अग्निकांड:

-बिजनेस पार्टनर अजय गुप्ता हिरासत में, लूथरा ब्रदर्स फरार

गोवा । गोवा के बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 दिसंबर 2025 को हुई भयानक आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दुखद हादसे में 25 लोगों की जान चली गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इस मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, लेकिन क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा अभी भी फरार हैं। घटना के कुछ घंटे बाद ही दोनों आरोपी थाईलैंड भाग गए थे, जिसके बाद उनके खिलाफ इंटरपोल ने ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। इस बीच गोवा पुलिस ने मंगलवार को दिल्ली से बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब के चार मालिकों में से एक अजय गुप्ता को हिरासत में लिया। अजय गुप्ता को फिलहाल दिल्ली में हिरासत में रखा गया है और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस ने उनसे घटनाक्रम और क्लब में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के बारे में सवाल किए। गुप्ता ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि वह केवल एक बिजनेस पार्टनर हैं और उन्हें आग लगने की घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। पुलिस अजय गुप्ता के लिए ट्रांजिट रिमांड की मांग कर रही है ताकि उन्हें आगे की पूछताछ के लिए गोवा लाया जा सके। यदि अदालत अनुमति देती है, तो गुप्ता को जल्द ही गोवा पुलिस के हवाले किया जाएगा। गिरफ्तारी के समय अजय गुप्ता ने मास्क, टोपी और हुडी जैकेट पहनकर अपना चेहरा छिपाया था। NDTV की रिपोर्ट के अनुसार, वह दिल्ली के लाजपत नगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रेन एंड स्पाइन में भर्ती थे, और वहीं से उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए गोवा पुलिस ने दावा किया है कि क्लब में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया गया था। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि क्लब में आग लगने के समय पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और इमरजेंसी निकासी रास्ते नहीं थे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई। मृतकों और घायलों में युवाओं की संख्या अधिक है, जिनकी जिंदगी इस हादसे से बुरी तरह प्रभावित हुई है। सौरभ और गौरव लूथरा के फरार होने और विदेश भागने के कारण अब उनका पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग लिया जा रहा है। इंटरपोल की ब्लू कॉर्नर नोटिस के तहत उनके खिलाफ वैश्विक स्तर पर गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, गोवा पुलिस ने अन्य कर्मचारियों और क्लब के मालिकों से भी पूछताछ तेज कर दी है ताकि घटना के हर पहलू को उजागर किया जा सके। इस पूरे मामले ने गोवा में नाइट क्लब उद्योग की सुरक्षा और मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और प्रशासन अब क्लबों में सुरक्षा नियमों की सख्ती से जांच कर रहे हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उपायों की योजना बना रहे हैं।

पहाड़ों में बर्फबारी, मैदानी इलाकों में शीतलहर और कोहरा:

-देशभर में सर्दी का कहर

नई दिल्ली । देश के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में सर्द मौसम का असर तेज़ी से देखने को मिल रहा है। पहाड़ी राज्यों में जहां लगातार बर्फबारी से जनजीवन प्रभावित हो रहा है, वहीं मैदानी क्षेत्रों में शीतलहर और घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में मौसम ने अलग-अलग रूप दिखाए हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर भारी बर्फबारी हो रही है। चीन सीमा से सटे टिम्मरसैंण महादेव क्षेत्र में बर्फबारी के चलते लगभग 10 फीट ऊंचा बर्फ का शिवलिंग बन गया है। यह दृश्य जम्मू-कश्मीर की अमरनाथ गुफा में हर साल बनने वाले प्राकृतिक 'बाबा बर्फानी' के शिवलिंग जैसा दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था और आकर्षण का केंद्र बन गया है। भारी बर्फबारी के चलते ऊंचाई वाले इलाकों में आवाजाही बाधित हो रही है और तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश में भी बर्फबारी का दौर जारी है। लाहौल-स्पीति जिले के शिंकुला दर्रे में अच्छी बर्फबारी हुई है। शिंकुला टॉप पर करीब 6 इंच तक बर्फ जम गई है, जिसके चलते तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। कई संपर्क मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है और प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। पहाड़ों में बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों तक साफ दिखाई देने लगा है। मध्य प्रदेश में सर्दी ने अचानक तीखा रूप ले लिया है। अगले दो दिनों के लिए शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। बीती रात प्रदेश में सबसे कम तापमान शहडोल के कल्याणपुर में 4.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इंदौर समेत प्रदेश के 25 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे चला गया है, जिससे सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ गई है। राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 10 दिसंबर तक कोल्ड वेव का असर बना रहेगा। मंगलवार को प्रदेश के 18 से अधिक शहरों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज किया गया। सबसे कम तापमान फतेहपुर में 3.7 डिग्री सेल्सियस रहा। उत्तर और पश्चिमी राजस्थान में सर्द हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी, गोंडा समेत करीब 20 जिलों में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, कई स्थानों पर विजिबिलिटी शून्य तक पहुंच गई। इसी तरह बिहार के भी लगभग 10 जिलों में कोहरे के कारण दृश्यता शून्य रही।

अमेरिका ने इस साल 85,000 वीजा रद्द किए, आधे नशे में गाड़ी चालकों के थे

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका ने इस साल अब तक 85,000 वीजा रद्द किए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा संख्या उन लोगों की है जिन्हें शराब पीकर वाहन चलाते पकड़ा गया था। अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने X (पूर्व में ट्विटर) पर इस बात की जानकारी दी कि यह कदम इमिग्रेशन और बॉर्डर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। यह नीति ट्रम्प प्रशासन के बढ़ते फोकस का हिस्सा मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य अमेरिका में कानून और सुरक्षा व्यवस्था को सख्त बनाना है। सिनियर अधिकारियों के अनुसार, रद्द किए गए वीजा में से लगभग 8,000 वीजा छात्रों के थे। इन रद्द किए गए वीजा के पीछे प्रमुख वजहें नशे में गाड़ी चलाना, चोरी और शारीरिक हमला जैसी अपराध गतिविधियां थीं। खास बात यह है कि ये अपराध पिछले साल के लगभग आधे वीजा रद्द होने के मामलों में शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि अमेरिका में कानून तोड़ने वालों के लिए कोई छूट नहीं है। इसके अलावा, कुछ वीजा अन्य कारणों से भी रद्द किए गए। इसमें वीजा-एक्सपायरी, आतंकवाद या उसके समर्थन से जुड़ी जांच और गंभीर सुरक्षा कारण शामिल हैं। अक्टूबर में प्रशासन ने उन लोगों के वीजा भी रद्द कर दिए थे, जिन पर कंजर्वेटिव एक्टिविस्ट चार्ली कर्क की हत्या का जश्न मनाने का आरोप था। यह कदम अमेरिका में किसी भी प्रकार की हिंसा या संवेदनशील घटनाओं में शामिल विदेशी नागरिकों को रोकने का प्रयास माना गया। हाल ही में गाजा संघर्ष से जुड़े विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले इंटरनेशनल स्टूडेंट्स पर भी कड़ी निगरानी और जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे प्रदर्शन, अगर हिंसा या सुरक्षा खतरे से जुड़े हों, तो अमेरिका अपने इमिग्रेशन नियमों के तहत कार्रवाई कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वीजा रद्द करने की यह कार्रवाई न केवल अमेरिका में कानून और सुरक्षा को सुदृढ़ करती है।

निलंबित TMC विधायक हुमायूं कबीर का दावा:

-"मैं बंगाल का ओवैसी, 2026 में किंगमेकर बनूंगा"

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बयानबाज़ी और विवाद तेज़ हो गया है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने खुद को "बंगाल का ओवैसी" बताते हुए दावा किया है कि वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में वे किंगमेकर की भूमिका निभाएंगे। उनका कहना है कि उनके समर्थन के बिना राज्य में कोई भी पार्टी सरकार नहीं बना पाएगी। मीडिया से बातचीत में हुमायूं कबीर ने AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी से अपने संबंधों का ज़िक्र करते हुए मजाकिया लहजे में कहा कि उन्होंने ओवैसी से इस विषय पर बात की है। हुमायूं के मुताबिक, ओवैसी ने उनसे कहा कि वे हैदराबाद के ओवैसी हैं और हुमायूं बंगाल के ओवैसी। इस बयान के जरिए हुमायूं ने यह संदेश देने की कोशिश की कि जैसे ओवैसी तेलंगाना और देश की मुस्लिम राजनीति में एक अहम चेहरा हैं, वैसे ही वे पश्चिम बंगाल में उभरती हुई मुस्लिम राजनीतिक ताकत बनना चाहते हैं। हुमायूं कबीर ने यह भी दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में न तो तृणमूल कांग्रेस और न ही भारतीय जनता पार्टी (BJP) अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा छू पाएगी। ऐसे हालात में उनका समर्थन निर्णायक साबित होगा और वही सरकार बनाने या गिराने की कुंजी होंगे। उनका कहना है कि वे अल्पसंख्यकों की आवाज़ को मजबूती से उठाएंगे और राजनीति में अपने समर्थकों के हितों की रक्षा करेंगे। हालांकि, हुमायूं का यह बयान ऐसे समय में आया है जब वे पहले से ही विवादों में घिरे हुए हैं। 6 दिसंबर को उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद के मॉडल पर एक मस्जिद की नींव रखी थी। यह दिन खास तौर पर संवेदनशील माना जाता है क्योंकि इसी तारीख को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने की बरसी होती है। इस कदम को राजनीतिक और सामाजिक रूप से उकसावे वाला मानते हुए तृणमूल कांग्रेस ने 28 नवंबर को ही हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया था। मस्जिद निर्माण को लेकर हुमायूं कबीर ने चंदा जुटाने के भी आंकड़े पेश किए हैं। उनके अनुसार, अब तक इस मस्जिद के लिए करीब 3 करोड़ रुपए का दान इकट्ठा हो चुका है। निर्माण स्थल पर 12 दान पेटियां रखी गई थीं, जिनमें से 11 पेटियों की गिनती पूरी हो चुकी है और उनसे 57 लाख रुपए मिले हैं। एक पेटी की गिनती अभी बाकी है। इसके अलावा QR कोड और डिजिटल पेमेंट के जरिए लगभग 2.47 करोड़ रुपए का चंदा प्राप्त हुआ है। हुमायूं कबीर का यह पूरा घटनाक्रम न सिर्फ तृणमूल कांग्रेस के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है, बल्कि यह साफ़ संकेत भी दे रहा है कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में धार्मिक पहचान, चंदा और सत्ता संतुलन को लेकर आने वाले दिनों में बहस और तेज़ हो सकती है। 2026 का चुनाव अभी दूर है, लेकिन हुमायूं के तेवर बता रहे हैं कि वे पहले से ही अपनी राजनीतिक भूमिका को लेकर बड़े दावे करने में जुट गए हैं।

पाकिस्तान में चार मुख्य प्रांतों को 12 छोटे प्रांतों में बांटने की तैयारी

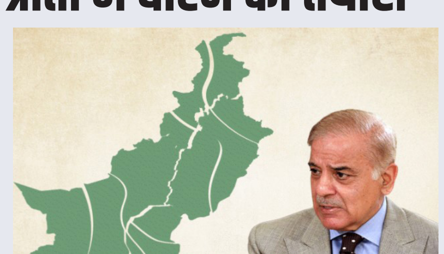

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में चार मुख्य प्रांतों को 12 छोटे प्रांतों में बांटने की योजना पर चर्चा तेज हो गई है। देश के संचार मंत्री अब्दुल अलीम खान ने शेखूपुरा में इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (IPP) के सम्मेलन में इस प्रस्ताव का समर्थन किया। उनका कहना है कि छोटे प्रांत बनाने से प्रशासनिक कार्य कुशल और जनता के नज़दीक होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे आसपास के देशों में भी छोटे प्रांत या राज्य हैं, जिनमें शासन व्यवस्था बेहतर चल रही है। अलीम खान ने विशेष रूप से पंजाब और सिंध में तीन-तीन नए प्रांत बनाने की बात कही। पंजाब को उत्तर, मध्य और दक्षिण पंजाब में बांटने की योजना है। इसी तरह सिंध को कराची सिंध, मध्य सिंध और ऊपरला सिंध में विभाजित किया जा सकता है। इसके अलावा, खैबर पख्तूनख्वा (KP) में उत्तरी KP, दक्षिणी KP और आदिवासी KP/फाटा रीजन के रूप में नए प्रांत बनाए जा सकते हैं। बलूचिस्तान को पूर्व, पश्चिम और दक्षिणी बलूचिस्तान में विभाजित करने की संभावना है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक नक्शा या औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। यह योजना फिलहाल चर्चा और विचार-विमर्श के स्तर पर है। विपक्षी दलों में खासकर बिलावल भुट्टो की पार्टी ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उनका तर्क है कि बड़े प्रांतों को बांटने से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है और संसाधनों का न्यायसंगत वितरण प्रभावित हो सकता है। IPP की यह पहल पीएम शहबाज शरीफ की गठबंधन सरकार का हिस्सा है। अलीम खान का मानना है कि छोटे प्रांत न केवल प्रशासनिक दृष्टि से लाभकारी होंगे, बल्कि स्थानीय लोगों को भी विकास की योजनाओं में अधिक भागीदारी का अवसर मिलेगा।

फ्लोरिडा में प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग, हाईवे पर कार से टकराया

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा में सोमवार को एक हैरान कर देने वाला हादसा हुआ, जब एक छोटा विमान हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान एक कार से टकरा गया। यह घटना मेरिट आइलैंड के पास हुई, जहां हाईवे पर ट्रैफिक के बीच अचानक से इमरजेंसी लैंडिंग करना पड़ा। इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हादसा उस समय हुआ जब बीचक्राफ्ट 55 मॉडल का यह छोटा प्लेन उड़ान के दौरान अचानक खराब हो गया। प्लेन के दोनों इंजनों में पावर खत्म होने लगी, जिसके बाद 27 साल के पायलट ने मजबूरन हाईवे पर लैंडिंग करने का फैसला किया। पायलट ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से हाईवे को ही इमरजेंसी लैंडिंग के लिए चुना, लेकिन वहां ट्रैफिक होने की वजह से प्लेन एक 2023 मॉडल की टोयोटा कैमरी कार से टकरा गया। इस टक्कर में कार चला रही 57 साल की महिला को हल्की चोटें आईं। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज किया गया। हादसे के बावजूद प्लेन में मौजूद पायलट और उसका दोस्त सुरक्षित रहे। टक्कर के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। मौके पर तुरंत पुलिस और रेस्क्यू टीम पहुंची और दुर्घटना स्थल को सुरक्षित किया। हाईवे की उस लेन को पूरी तरह बंद कर दिया गया ताकि दुर्घटना की जांच और राहत कार्य किए जा सकें। दुर्घटना की वजह से कई घंटों तक ट्रैफिक बाधित रहा। हाईवे को बंद किए जाने से आम लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। अगली सुबह करीब 9 बजे हाईवे को दोबारा खोल दिया गया। अधिकारियों ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

स्वदेशी सुदर्शन चक्र सुरक्षा कवच:

-दिल्ली-NCR को ड्रोन, मिसाइल और फाइटर जेट हमलों से मिलेगा अभेद्य एयर डिफेंस

नई दिल्ली । भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के एनसीआर क्षेत्र की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए स्वदेशी मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया जाएगा। यह प्रणाली मिसाइलों, ड्रोन और फाइटर जेट जैसे आधुनिक हवाई खतरों को समय रहते पहचानकर उन्हें नाकाम करने में सक्षम होगी। रक्षा मंत्रालय इस महत्वाकांक्षी परियोजना को तेजी से आगे बढ़ा रहा है और इसका सफल परीक्षण भी किया जा चुका है।

पूरी तरह स्वदेशी रक्षा कवच-

वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के अनुसार यह नया इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (IADWS) पूरी तरह देश में विकसित हथियारों और तकनीकों पर आधारित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत की राजधानी किसी भी तरह के हवाई हमले से सुरक्षित रहे। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत यह एक अहम उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इसमें किसी विदेशी तकनीक पर निर्भरता नहीं होगी।

QRSAM और VSHORADS होंगे प्रमुख हथियार-

इस सिस्टम की रीढ़ होंगे डीआरडीओ द्वारा विकसित QRSAM (क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल) और VSHORADS (वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम)। QRSAM कम दूरी में तेजी से प्रतिक्रिया देने वाली मिसाइल प्रणाली है, जो दुश्मन के फाइटर जेट, हेलीकॉप्टर और क्रूज मिसाइल जैसे लक्ष्यों को हवा में ही नष्ट कर सकती है। वहीं VSHORADS बेहद कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन और अन्य हवाई खतरों के खिलाफ कारगर हथियार है। इन दोनों प्रणालियों को एक ही नेटवर्क में जोड़कर बहुस्तरीय सुरक्षा दीवार तैयार की जाएगी।

सेंसर, रडार और आधुनिक कंट्रोल सिस्टम-

IADWS केवल मिसाइल सिस्टम तक सीमित नहीं है। इसके साथ कई अत्याधुनिक रडार, सेंसर और एक एडवांस कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम जोड़ा जाएगा। यह सिस्टम लगातार आकाश पर नजर रखेगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत ट्रैक करेगा। खतरे की पहचान होते ही कुछ ही सेकेंड में निर्णय लेकर जवाबी कार्रवाई की जा सकेगी। इससे दुश्मन को हमला करने का मौका ही नहीं मिलेगा।

भारतीय वायुसेना संभालेगी कमान-

इस पूरे एयर डिफेंस सिस्टम का संचालन भारतीय वायुसेना करेगी। वायुसेना की मौजूदा क्षमताओं के साथ IADWS को जोड़कर एक मजबूत और एकीकृत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाएगा। इससे थलसेना और नौसेना के साथ तालमेल भी और बेहतर होगा।

अगस्त में हो चुका है सफल परीक्षण-

IADWS का 23 अगस्त को ओडिशा के तट पर सफल परीक्षण किया गया था। इस परीक्षण में सिस्टम ने लक्ष्य को सटीकता से पहचानकर उसे नष्ट किया, जिससे इसकी विश्वसनीयता साबित हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर साझा करते हुए कहा था कि इस परीक्षण ने भारत की मल्टी-लेयर एयर डिफेंस क्षमता को और मजबूत किया है। उनके अनुसार यह प्रणाली दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा को नई मजबूती देगी।

सुदर्शन चक्र मिशन का अहम हिस्सा-

IADWS को "सुदर्शन चक्र मिशन" का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन में इस मिशन की घोषणा की थी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,